वर्ष : 17 ❖ अंक : 50 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
बुधवार, 21 सितम्बर 2022

बिहार में महागठबंधन नहीं महाठगबंधन की सरकार : रामसूरत राय 3 | चुनाव केंद्रित सोच से शहरों का भला नहीं किया जा सकता : पीएम मोदी 8

एआरएस के लिए आवेदनों का अस्वीकृत किया जाना रूटीन प्रक्रिया का हिस्सा : दीपा रानी थापा

कहा– आवेदन पत्रों को 21 अक्टूबर तक फिर से किया जा सकता है जमा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 20 सितम्बर । सिक्किम के सोशल मीडिया में पिछले दिनों छाये रहे सिक्किम लोक सेवा आयोग (एसपीएससी) द्वारा एसिस्टेंट रेवेन्यू सर्वेयर (एआरएस) और लोअर डिवीजन क्लर्क (एलडीसी) के कुल 150 पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया में 8000 से अधिक आवेदन पत्रों को अस्वीकृत कर दिये जाने के मामले में आज एसपीएससी सचिव ने इसे एक रूटीन प्रक्रिया बताया। उनके अनुसार आवेदन पत्रों में कमी या अपूर्णता के कारण ही उन्हें अस्वीकृत किया गया है और उसे पूरा कर फिर से आवेदन किया जा सकता है। इन आवेदन पत्रों को 21 अक्टूबर तक फिर से जमा किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि एसपीएससी द्वारा एआरएस के 50 और एलडीसी के 100 रिक्त पदों पर नियुक्ति के लिए प्रक्रिया शुरू की गयी है।

सचिव श्रीमती दीपा रानी थापा ने बताया कि इन दो पदों के लिए ही कुल 25000 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। इसलिए अस्वीकृत आवेदन पत्रों की संख्या इतनी अधिक हुई है, जो लोगों को दिख रही है।

वहीं अन्य पदों के लिए इतने अधिक आवेदन नहीं मिले हैं। उनके अनुसार सामान्य त्रुटियों, जैसे गलत नाम, पता, शैक्षणिक योग्यता, पहचान प्रमाणपत्र आदि के बारे में सही से सूचना नहीं दिये जाने के कारण ही ये आवेदन पत्र अस्वीकृत किये गये हैं। इन अस्वीकृत आवेदनों की सूची प्रकाशित करना एक रूटीन प्रक्रिया है। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि अस्वीकृत किये गये आवेदनों को पुन: स्वीकार किया जाता है। अस्वीकृत सूची में शामिल आवेदनों के फिर से 21 अक्टूबर तक जमा किया जा सकता है।

श्रीमती थापा ने आगे बताया कि एसपीएससी को आवेदकों की फिक्र रहती है और उनके आवेदनों को यूं ही अस्वीकृत नहीं किया जाता है। उनके अनुसार आवेदन पत्रों की जांच में एक ऑनलाइन प्रीलिमनरी प्रक्रिया है, जहां शैक्षणिक योग्यता, पहचान प्रमाणपत्र एवं ऐसे ही अन्य क्षेत्रों में मानदंडों को पूरा न किये जाने पर आवेदन स्वत: रद्द हो जाते हैं।

वहीं राज्य के दूर-दराज के आवेदकों को इससे होने वाली परेशानी के बारे में एसपीएससी सचिव ने कहा कि ऑनलाइन जांच के दौरान पायी गयी इन त्रुटियों को ऑनलाइन ही पूरा कर आवेदन पत्रों को फिर से जमा किया जा सकता है। उन्हें इसके लिए शारीरिक तौर पर गंगटोक आने की जरूरत नहीं है।

जानकारी के अनुसार अधिकांश आवेदकों ने एआरएस और एलडीसी पदों के लिए ही आवेदन किया है। ऐसे में अन्य जिलों के आवेदक spsc-skm@nic.in पर अपने आवेदन पत्रों को मेल कर सकते हैं। उसी दिन शाम को उन्हें उनके आवेदन की स्वीकृति या अस्वीकृति के बारे में ऑनलाइन सूचना मिल जायेगी। इस सम्बंध में श्रीमती थापा ने बताया कि अस्वीकृत सूची जारी होने के बाद एसपीएससी में हर रोज सुधारे गये औसतन 200 आवेदन प्राप्त हो रहे हैं। उनमें से कुछ ही को पूरी तरह अस्वीकृत किया गया है।

वहीं शारीरिक तौर सुधार हेतु आये सभी के आवेदन स्वीकृत हो चुके हैं। इसके साथ ही उन्होंने कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्राप्त आवेदकों के संशय को लेकर भी कहा कि एलडीसी पद के लिए न्यूनतम 3 माह और एआरएस के लिए न्यूनतम 6 माह का कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्राप्त होना चाहिए।

भाइचुंग भूटिया बने हाम्रो सिक्किम पार्टी के अध्यक्ष

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 20 सितम्बर । भाइचुंग भूटिया को एक बार फिर हाम्रो सिक्किम पार्टी का नया अध्यक्ष चुन लिया गया है। पार्टी की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में इसकी जानकारी देते हुए बताया गया है कि हाम्रो सिक्किम पार्टी के नेशनल कांफ्रेंस में भाइचुंग भूटिया का सर्वसम्मति से एचएसपी के नए अध्यक्ष के रूप में चुनाव किया गया है।

एचएसपी के महासचिव बिराज अधिकारी ने एक विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि भूटिया अब सिक्किम को वर्तमान भ्रष्ट शासन से मुक्त करने तथा एक पारदर्शी और जिम्मेवार सरकार बनाने को लेकर लड़ाई का नेतृत्व करेंगे।

वहीं इस अवसर पर एचएसपी का अध्यक्ष पद स्वीकारते हुए भूटिया ने पार्टी को आगे बढ़ाने हेतु अपनी प्रतिबद्धता दर्शाते हुए कहा कि हम सिक्किम वासियों की सेवा और उनकी उम्मीदों व आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करने हेतु अपना अनथक प्रयास जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि हम सामाजिक समानता और हरेक को न्याय सुनिश्चित करने की दिशा में एक साथ मिलकर कार्य करेंगे। इस अवसर पर भूटिया ने पार्टी की निवर्तमान अध्यक्ष श्रीमती वीणा बस्नेत को सफलतापूर्वक अपना कार्यकाल पूरा करने हेतु धन्यवाद भी दिया।

पार्टी प्रवक्ता के अनुसार सिक्किम के हालिया राजनीतिक मुद्दों के बीच भाइचुंग भूटिया का पार्टी अध्यक्ष बनने से न केवल मौजूदा सत्तावादी शासन का सामना करने हेतु पार्टी को मजबूती प्रदान करेगा, बल्कि राज्य को विकास और स्वच्छ राजनीति की राह पर आगे बढ़ायेगा।

पासंग शेरपा ने एसकेएम अध्यक्ष को भेजी कानूनी नोटिस

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 20 सितम्बर । राजनीतिक और सामाजिक कार्यकर्ता पासंग शेरपा ने सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) के अध्यक्ष तथा मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) को कानूनी नोटिस भेजा है। इसमें पार्टी के आधिकारिक मुखपत्र एसकेएम दर्पण में उनके एक लेख में कथित रूप से अपमानजनक, नस्लवादी और अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाते हुए इसकी निंदा की गई है।

एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पासंग शेरपा ने कहा कि पार्टी ने मेरी छवि और प्रतिष्ठा को बदनाम और खराब किया है। इसमें झूठे, मनगढ़ंत और तुच्छ आरोप लगाए गए हैं, जो पूरी तरह से निराधार और गलत हैं।

उन्होंने कहा कि आरोप झूठे हैं क्योंकि हमारी पुश्तैनी जमीन गैरीगांव (गद्दी खोला) जौबरी ब्लॉक, दामथांग ग्राम पंचायत, नामची जिला, सिक्किम, भारत के तहत पंजीटार वार्ड में स्थित है। उन्होंने कहा कि वे सरकार हैं तथा इसे वे स्वयं सत्यापित करा सकते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि मेरी पत्नी के खिलाफ अपमानजनक, अपमानजनक, जातिवादी और जातिवादी बयान दिया गया था कि वह गैर सिक्किमी हैं और सवाल उठाए गए थे कि वह गैर सिक्किमी होने के नाते जमीन कैसे खरीद सकती है? यह आपकी जानकारी के लिए है कि वह ओल्ड सेटलर्स परिवार से हैं और मेरी कानूनी रूप से विवाहित पत्नी होने के कारण, उसने कानूनी रूप से अपना सीओ प्राप्त किया है, इसलिए वह किसी भी अन्य सिक्किमी के समान अधिकारों और विशेषाधिकार पा सकती हैं।

शेरपा ने आगे उल्लेख किया कि यह एक दुर्भावनापूर्ण इरादे से किया गया है कृत्य है ताकि मेरे और मेरे परिवार की प्रतिष्ठा, नाम, प्रसिद्धि और सार्वजनिक प्रतिष्ठा को क्षति पहुंचाई जा सके। शेरपा ने एसकेएम दर्पण के पोस्ट को वापस लेने की मांग की है और सात 7 दिनों के भीतर बिना शर्त माफी मांगने की मांग की है। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं करने पर, एसकेएम अध्यक्ष और उनकी राजनीतिक दल (सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा) के खिलाफ उचित नागरिक और आपराधिक कार्रवाई शुरू करने के लिए विवश हो जाऊंगा।

जीवन रक्षक पेशा है कृषि व पशुपालन : मंत्री शर्मा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 20 सितम्बर । कृषि क्षेत्र में नयी तकनीकों पर जागरुकता, प्रशिक्षण तथा किसान-वैज्ञानिक परिचर्चा हेतु बायोटेक किसान हब सिक्किम विश्वविद्यालय, एम4एग्री, सीएईपीएचटी एवं सीएयू रानीपुल द्वारा आज रानीपुल कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कार्यक्रम की शुरुआत हुई।

इस अवसर पर राज्य के कृषि, पशुपालन एवं पशु चिकित्सा मंत्री लोक नाथ शर्मा मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित थे। वहीं उनके अलावा उद्घाटन कार्यक्रम में सिक्किम विश्वविद्यालय के उप-कुलपति प्रो. अविनाश खेर, सीएईपीएचटी डीन प्रो. पीपी डबराल के अलावा केंद्र सरकारी संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधियों, वैज्ञानिकों, किसानों एवं विद्यार्थियों ने भी शिरकत की।

इस अवसर पर मंत्री शर्मा ने मानव समाज की पूर्ण अनिवार्यता तथा जीवन रक्षक पेशे के तौर पर कृषि एवं पशुपालन पर जोर दिया। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि और बागवानी को बढ़ावा देने में सिक्किम विश्वविद्यालय और सीएयू की भूमिका के प्रति आभार व्यक्त करते हुए राज्य के मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र में किये गये कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि खेती की मुश्किलों को आसान बनाने और उत्पादकता वृद्धि सुनिश्चित कर किसानों को लाभ पहुंचाने हेतु नई तकनीकी उपकरणों का वितरण किया गया है।

इसके अलावा उन्होंने राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न पहलों पर प्रकाश डाला और उपस्थित लोगों को कृषि और पशुपालन के पेशे को अपनाने हेतु प्रोत्साहित किया। साथ ही उन्होंने उत्पादकता में सुधार और लुप्तप्राय प्रजातियों को भी पुनर्जीवित करने के लिए शोध कार्य के निष्कर्षों के उपयोग पर जोर दिया। इस सम्बंध में उन्होंने प्रतिभागियों से दो दिवसीय इस प्रशिक्षण सत्र से जानकारी प्राप्त करने और आत्मनिर्भर होने के लिए कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय परिवर्तन लाने का भी आग्रह किया। वहीं उन्होंने राज्य में केसर मिशन के तहत राज्य सरकार द्वारा सिक्किम विश्वविद्यालय के साथ मिलकर चुनिंदा गांवों के किसानों में नौ क्विंटल केसर के बीज वितरित किये जाने की जानकारी भी दी।

इस दौरान सिक्किम विश्वविद्यालय के उप-कुलपति अविनाश खरे ने अपने सम्बोधन में किसान समुदाय द्वारा समुचित तकनीक अपनाने के महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं उन्होंने सभी हितधारकों से मिलकर किसानों की बेहतरी हेतु कार्य करने का आह्वान करते हुए इस दिशा में अपना हर सम्भव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन भी दिया। कार्यक्रम के दौरान मंत्री शर्मा ने बायोटेक किसान हब के तहत महिला किसानों को प्रमाणपत्र भी प्रदान किये।

जीटीए प्रशासन की पहली बैठक में शामिल हुए सभासद पाल्देन तमांग

अनुगामिनी नि.सं.

कालिम्पोंग, 20 सितम्बर । गोरखालैंड क्षेत्रीय प्रशासन की पहली बैठक दार्जिलिंग में संपन्न हुई। बैठक में शामिल होने के बाद कालिम्पोंग 36 नंबर समष्टि के सभासद पाल्देन तमांग ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए बैठक के विषय की जानकारी साझा की।

सत्तारुढ़ भारतीय गोरखा डेमोक्रेटिक फ्रंट की ओर से कई प्रस्तावों को सामने रखने की बात बताते हुए उन्होंने चर्चा के बाद आम लोगों के लिए प्रस्ताव का समर्थन भी किया।

उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने विपक्ष के लिए कुछ और प्रस्ताव भी रखे हैं। विशेष रूप से उल्लेख करते हुए कि जीटीए बैठक में प्रस्ताव अंग्रेजी में लिखे गए हैं, उन्होंने कहा कि यह नेपाली में होना चाहिए। दूसरी (शेष पृष्ठ ०३ पर)

अलग गुरुद्वारा प्रबंधन समिति पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला 'पंथ' पर हमला : सुखबीर

चंडीगढ़, 20 सितम्बर (एजेन्सी)। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने मंगलवार को हरियाणा सिख गुरुद्वारा (प्रबंधन) अधिनियम, 2014 की वैधता को बरकरार रखने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले को 'पंथ पर हमला' करार दिया और दावा किया कि इससे दुनिया भर में समुदाय के बीच आक्रोश गहरा धक्का लगा है।

यहां मीडिया को संबोधित करते हुए शिअद अध्यक्ष ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक अंतरराज्यीय निकाय एसजीपीसी को राज्य के एक कानून को मान्यता देकर विभाजित किया गया है, हालांकि इस मुद्दे पर कानून बनाने की शक्ति केंद्र के पास सुरक्षित है।

बादल ने कहा कि कांग्रेस दशकों से अकाली दल के साथ-साथ सिख संस्थानों को कमजोर करने की कोशिश कर रही है और हरियाणा में गुरुद्वारों के प्रबंधन के लिए एक अलग निकाय बनाने वाला 2014 का अधिनियम इसी रणनीति का हिस्सा था।

उन्होंने कहा कि यह भी उतना ही निंदनीय है कि अमरिंदर सिंह के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने इस मामले में शीर्ष अदालत में एसजीपीसी विरोधी रुख अपनाया। आखिरी कील भगवंत सिंह मान सरकार ने ठोकी, जिसके महाधिवक्ता ने मामले में एसजीपीसी के खिलाफ लिखित दलील दी थी।

यह कहते हुए कि शिअद 100 साल पुराने अधिनियम के साथ छेड़छाड़ को बर्दाश्त नहीं करेगा, बादल ने कहा कि पार्टी ने अगले कदम पर फैसला करने के लिए वरिष्ठ नेताओं की एक बैठक बुलाई है जिसमें कानूनी सहारा शामिल हो सकता है।

उन्होंने सभी 'पंथिक' संगठनों से सिख समुदाय को विभाजित करने और छद्म द्वारा शासन करने के लिए सिख विरोधी ताकतों के मंसूबों को हराने के लिए एकजुट होने की अपील की। बादल ने कहा कि देश ने पहले देखा है कि कैसे निर्वाचित दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति की प्रकृति को रातोंरात बदल दिया गया और इसे अपने कब्जे में ले लिया गया।

विधानसभा में योगी-अखिलेश आमने-सामने, एक दूसरे पर साधा निशाना

सपा ने किया वॉकआउट

लखनऊ, 20 सितम्बर (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश विधानमंडल सत्र के दूसरे दिन हंगामे के बाद सत्तारूढ़ और विपक्ष के बीच सवाल जवाब हुए।

सदन के नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर सवाल उठाए, जिसका जवाब नेता सदन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिया। हालांकि, नेता प्रतिपक्ष अखिलेश नेता सदन मुख्यमंत्री योगी के जवाब से संतुष्ट नहीं हुए और सदन से बहिर्गमन कर लिया।

अखिलेश यादव ने स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर कहा कि अगर सरकार के पास बजट नहीं है तो मुख्यमंत्री को स्वीकार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार सभी स्वास्थ्य सेवाओं को प्राइवेट कर देना चाहती है जिससे इलाज आम लोगों से दूर हो जाए। उन्होंने इस दौरान सपा सरकार में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर किए गए कार्यों का ब्यौरा दिया। सदन में अखिलेश यादव ने प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक को निशाने पर रखा और उनको सिर्फ छापामार मंत्री बताया।

नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने सरकार को घेरते हुए कहा कि अस्पतालों में स्टाफ नहीं है तो भर्ती करें। पीएचसी, सीएचसी, जिला अस्पताल में डॉक्टर उपलब्ध करवाएं। उन्होंने कहा कि सरकार एक तरफ तो मुफ्त इलाज देने का वादा करती है दूसरी तरफ सभी तरह की जांच प्राइवेट हाथों में दे रही है। एमआरआई और सिटी स्कैन हर चीज का पैसा लिया जा रहा है।

अखिलेश यादव ने तंज कसते हुए कहा कि कहा जाता है कि दिल्ली वाले मदद नहीं करते हैं। दिल्ली वालों को समझाना चाहिए कि दिल्ली की सरकार यूपी से बनती है।

उन्होंने के कहा कि सरकार के पास एम्बुलेंस और स्ट्रेक्च र की व्यवस्था नहीं है। इस सरकार की हर योजना विश्वव्यापी है। लेकिन इसकी दुर्व्यवस्था कोरोनाकाल में देखने को मिली है। सरकार सरकारी संस्थाओं को बंद कर रही है। हर व्यवस्था को निजी हांथों में सौंप रही है।

इसके जवाब में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उपदेश कुशल बहुतेरे दूसरों को उपदेश देना बहुत आसान है। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से प्रदेश में चार बार सपा की सरकार रही है। प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं में पिछले पांच साल में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। पूर्वांचल में पहले इंसेफेलाइटिस से हर साल सैकड़ों मौतें होती थीं पर अब साल दर साल मौतों में कमी होते-होते इस बार एक भी मौत नहीं हुई है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश की शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं की जितनी बदहाली तथाकथित समाजवादियों ने की उतनी किसी ने नहीं की। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर जो बेहतर से बेहतर हो सकता है वो करने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। योगी ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का विकास किया जा रहा है। डबल इंजन की सरकार में अब तक कोरोना वैक्सीन की 38 करोड़ डोज दी जा चुकी हैं। लोकतंत्र में प्रतिपक्ष की भी बड़ी भूमिका है। ऐसे में नेता प्रतिपक्ष को ऐसे बयान नहीं देना चाहिए जो कि तथ्यगत न हो।

सपा मुखिया अखिलेश यादव के भाजपा पर हमलों के जवाब में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी और सच नदी के दो छोर हैं। सभी को पता है कि यह कभी एक नहीं हो सकते हैं। सपा को तो प्रदेश सरकार के अच्छे कार्यों को सहर्ष स्वीकार करना चाहिए। कहा कि आपको तो नेशनल हेल्थ सर्वे के आंकड़ें देखने की जरूरत है। प्रदेश में बीते पांच वर्ष में शिशु और मातृ मृत्यु दर में कमी आई है। उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर लगातार बेहतर सुधार हुए हैं।

नेता सदन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बयान सुनने के बाद नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि हम नेता सदन के बयान से संतुष्ट नहीं हैं इसलिए सदन से वॉक आउट कर रहे हैं।

आबकारी नीति को लेकर भाजपा का आप पर एक बार फिर हमला, शराब व्यापारी का संबंध केजरीवाल से जोड़ा

नई दिल्ली, 20 सितम्बर (एजेन्सी)। भाजपा ने आम आदमी पार्टी के नेता दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को कट्टर बेईमान' करार देते उन पर आरोप लगाया कि उनके भ्रष्टाचार के एक के बाद एक, प्रमाण सहित खुलासे हो रहे हैं, उससे केजरीवाल जनता के बीच जाने लायक नहीं बचेंगे। भाजपा के प्रवक्ता गौरव भाटिया ने दिल्ली पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि भाजपा ने दिल्ली में केजरीवाल के भ्रष्टाचार को उजागर करना शुरू कर दिया है और उन्हें जनता के सवालों से बचने का मौका नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि एक स्टिंग ऑपरेशन से स्पष्ट हो चुका है कि केजरीवाल किस तरह से वसूली करते हैं। काला धन किस तरह अर्जित करते हैं और किस तरह जनता को लूटा जाता है।

इंडो स्प्रिट कंपनी के केस को सब जानते हैं। उन्होंने एल7 जोन 9 के ठेकेदार करमजीत सिंह लांबा के साथ केजरीवाल की कई तस्वीरों को साझा करते हुए कहा कि ये दोनों दो जिस्म एक जान हैं। आबकारी नीति में बढ़े कमीशन से काला धन केजरीवाल की तिजोरी में जा रहा है। भाटिया ने कहा कि केजरीवाल जब कोई बयान देते हैं तो उसमें कोई तथ्य और प्रमाण नहीं होते। लेकिन भाजपा जब कोई बात रखती है तो प्रमाण के साथ रखती है। इसलिए केजरीवाल एक भी प्रश्न का जवाब नहीं देते।

भाटिया ने पूछा कि केजरीवाल और मनीष सिसोदिया ये बताएं कि करीबियों को भ्रष्टाचार की रेवड़ियां क्यों बांट रहे थे? जिसको आप सर्टीफिकेट देते हैं कि कट्टर ईमानदार है, वो व्यक्ति जेल के सलाखों के पीछे है, क्यों? उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी के कैंडिडेट करणजीत सिंह लांबा को सारे नियमों की अनदेखी करके शराब का ठेका दे दिया। कोई पारदर्शिता नहीं। इनका केवल एक ही मकसद है बेईमानी। इसीलिए केजरीवाल की अब पोल खुल गई है और वह खुद को स्वप्रमाणन की प्रिंटिंग प्रेस बताते थे लेकिन अब वह कट्टर बेईमान साबित हुए हैं। उनके एक साथी सत्येन्द्र जैन 105 दिनों से जेल में हैं। एक दिन केजरीवाल को माफी मांगनी होगी।

दिल्ली प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि अभी जो खुलासा है उससे स्पष्ट हो चुका है कि वो शराब नीति क्यों बनाई गई? क्योंकि जो कमीशन बढ़ाया गया था उसका आधा हिस्सा केजरीवाल को मिला है। इसी से वह चुनाव लड़ रहे हैं। केजरीवाल चुनाव में जाते हैं चार्टर्ड प्लेन से और नीचे उतकर बैठ जाते हैं ऑटो में और जनता को दिखाते हैं कि वह ऑटो में सफर करते हैं। ये सिर्फ दिखाना, नौटंकी है। उन्होंने कहा कि आप ने ठगा है, ईमानदारी बहाना है, जनता को दिखाना है, लेकिन दिल्ली का खज़ाना ही असली निशाना है।

केजरीवाल के खिलाफ 30 पूर्व आईपीएम अफसरों ने राष्ट्रपति को लिखी चिट्ठी

नई दिल्ली, 20 सितम्बर (एजेन्सी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल के खिलाफ राष्ट्रपति से शिकायत की गई है। यह शिकायत देशभर के 30 पूर्व आईपीएस अफसरों की ओर से की गई है। इन रिटायर्ड आईपीएस अफसरों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को चिट्ठी लिखकर गुजरात दौरे के दौरान दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के द्वारा देश की पुलिस के मनोबल को कमजोर करने के इरादे से पुलिसकर्मियों के साथ कथित दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया गया है।

दरअसल, यह पूरा मामला केजरीवाल के गुजरात दौरे से जुड़ा है, जहां केजरीवाल एक ऑटो चालक के यहां खाना खाने के लिए ऑटो में बैठकर जाते समय पुलिसकर्मियों ने उनकी सुरक्षा को मद्देनजर रखते हुए उन्हें ऑटो में बैठकर जाने से रोका था, इस दौरान केजरीवाल की पुलिस कर्मियों से तीखी नोंकझोंक भी हो गई थी। उस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो गया था।

आरोप है कि, इस दौरान केजरीवाल ने पुलिस के खिलाफ कुछ अरुचिकर और असंगत टिप्पणी की। इन टिप्पणियों से पुलिस के मनोबल को गहरी चोट आई है। यह देखते हुए कि केजरीवाल देश की राजधानी के मुख्यमंत्री हैं, पुलिस बल उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बाध्य है। ऐसे में महज राजनीतिक लाभ हासिल करने के लिए केजरीवाल ने पुलिस अधिकारियों को पूरी तरह से अपने कर्तव्यों का पालन करने से रोकते हुए यह कहकर अपमानित किया कि गुजरात के पुलिस अधिकारी राज्य द्वारा प्रदान की जाने वाली सुरक्षा पर एक काला धब्बा हैं, जो बेहद निराशाजनक था।

पंजाब के पूर्व महानिदेशक पी.सी. डोगरा, उत्तर प्रदेश के पूर्व महानिदेशक विक्रम सिंह, महाराष्ट्र के पूर्व महानिदेशक प्रवीण दीक्षित, केरल के पूर्व महानिदेशक एम.जी. रमण, बिहार के पूर्व महानिदेशक एस.के. भारद्वाज, आंध्र प्रदेश के पूर्व महानिदेशक आलोक श्रीवास्तव समेत कुल 30 पूर्व आईपीएस अफसरों के नाम हैं।

बता दें कि, गुजरात में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं, ऐसे में गुजरात में अपनी पार्टी की जड़ें जमाने की जुगत में जुटे केजरीवाल बीते कई महीनों से गुजरात के अलग-अलग राज्यों का दौरा कर अपना जनाधार तैयार में लगे हैं। इसके लिए वह कई तरह की चुनाव पूर्व गारंटियों के ऐलान के साथ ही राज्य और केंद्र में सत्तारूढ़ दल भाजपा पर जमकर हमला बोल रहे हैं।

किसानों की आत्महत्या को लेकर ममता सरकार ने दी गलत जानकारी : भाजपा

नई दिल्ली, 20 सितम्बर (एजेन्सी)। भाजपा ने पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर किसानों की आत्महत्या को लेकर गलत जानकारी देने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से जवाब मांगा है।

पश्चिम बंगाल भाजपा के सह प्रभारी एवं भाजपा आईटी सेल के नेशनल हेड अमित मालवीय ने ममता बनर्जी सरकार को चोरों और अपराधियों की सरकार करार देते हुए यह आरोप लगाया है कि किसानों की आत्महत्या के मामले में ममता सरकार ने एनसीआरबी को गलत जानकारी दी है। मालवीय ने ममता सरकार पर किसानों की बदहाल हालत और उनके द्वारा की गई आत्महत्या के आंकड़े को छुपाने का बड़ा आरोप लगाते हुए निशाना साधा है।

अमित मालवीय ने पश्चिम बंगाल में किसानों की आत्महत्या को लेकर एक आरटीआई कार्यकर्ता को मिले आंकड़ों को शेयर करते हुए ट्वीट कर कहा, एनसीआरबी की लेटेस्ट रिपोर्ट में पश्चिम बंगाल सरकार ने आत्महत्या के कारण जीरो किसान (यानी एक भी आत्महत्या नहीं) की मृत्यु की घोषणा की लेकिन एक आरटीआई कार्यकर्ता को मिली जानकारी में यह पता लगा कि इसी अवधि के दौरान सिर्फ पश्चिमी मेदिनीपुर में 122 किसानों की मौत हुई है।

मालवीय ने ममता बनर्जी से इस पर सफाई देने के मांग करते हुए आगे कहा, ममता बनर्जी को इस पर स्पष्टीकरण देना चाहिए। यह सिर्फ चोरों की सरकार नहीं है बल्कि अपराधियों की भी सरकार है।

वडोदरा में केजरीवाल के साथ दुर्व्यवहार, बोले- कांग्रेस और बीजेपी उन्हे अपमानित करने में एकजुट

वडोदरा, 20 सितम्बर (एजेन्सी)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को दावा किया कि गुजरात के वडोदरा हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पक्ष में नारे लगाने वाले लोगों के एक समूह ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया। केजरीवाल ने यह भी दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के समर्थक कांग्रेस नेता राहुल गांधी के गुजरात दौरे पर उनके खिलाफ कभी नारे नहीं लगाते। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और कांग्रेस उन्हें और उनकी पार्टी आप के खिलाफ गाली-गलौज करने में 'एकजुट' हैं।

दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल ने संवाददाताओं से कहा, जब मैं वडोदरा में हवाई अड्डे पर उतरा, तो करीब 30-40 लोग मेरे सामने 'मोदी', 'मोदी', 'मोदी' चिल्लाने लगे। गुजरात में स्थिति ऐसी है कि भाजपा के सामने एक बड़ी मुसीबत आने वाली है।' केजरीवाल इस साल दिसंबर में राज्य में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले समाज के विभिन्न तबकों से संपर्क करने के अभियान के तहत टाउन हॉल' बैठक को संबोधित करने के लिए वडोदरा में हैं।

उन्होंने कहा, 'कहा जाता है कि (गुजरात के) शहरी इलाकों में 66 सीटें हैं, जहां भाजपा कभी नहीं हारी। लेकिन इस बार, वे मुश्किल में होंगी। वे इन सभी सीट (आगामी विधानसभा चुनाव में) पर नहीं जीत रहे हैं।'' उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और कांग्रेस उन्हें अपमानित कर रहे हैं क्योंकि वह गुजरात के लोगों की भलाई की बात करते हैं। आप नेता ने आरोप लगाया, 'भाजपा के समर्थक कभी भी कांग्रेस नेता राहुल गांधी के गुजरात दौरे पर उनके खिलाफ नारे नहीं लगाते। ऐसा इसलिए है क्योंकि दोनों पार्टियां मेरे और आप के खिलाफ एकजुट हैं।

भाजपा और कांग्रेस दोनों के समर्थक केजरीवाल के खिलाफ नारे लगाते हैं। वे एकजुट हैं और मुझे गालियां देते हैं।' केजरीवाल ने कहा कि आने वाले दिनों में, कांग्रेस और भाजपा दोनों गुजरात में राष्ट्रीय स्तर के अपने नेताओं को मैदान में उतारेंगी जो 'मुझे गालियां देंगे।'' केजरीवाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के गृह राज्य गुजरात में आप के विधानसभा चुनाव अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं तथा लोगों से उन्होंने कई वादे किए हैं।

भारत में 2024 तक 92-93 कार्बन-न्यूट्रल हवाई अड्डे होंगे : सिंधिया

नई दिल्ली, 20 सितम्बर (एजेन्सी)। नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को कहा कि देश में 2024 तक 92-93 कार्बन-न्यूट्रल हवाई अड्डे होंगे। सिंधिया ने यह भी कहा कि उड्डयन मंत्रालय का लक्ष्य 2030 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन हासिल करना है।

अखिल भारतीय प्रबंधन संघ के राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए, मंत्री ने कहा, भारत की हवाई अड्डे न केवल 2030 तक शुद्ध शून्य लक्ष्य प्राप्त करेंगे, बल्कि तब तक 400 मिलियन हवाई यात्रियों का लक्ष्य भी हासिल कर लेंगे। यह कहते हुए कि जमीन पर बुनियादी ढांचे में सुधार किया जाना चाहिए और यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए इसे बढ़ाया गया है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि हवाई यात्रियों की बढ़ती संख्या को सही ढंग से सेवा मुहैया कराने के लिए जमीनी स्तर पर संसाधनों को ओर दुरुस्त करने और उन्हें बढ़ाने की जरूरत है।

देश में हवाई अड्डे के बुनियादी ढांचे में वृद्धि के बारे में बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि पिछले आठ वर्षों में, देश में हवाई अड्डों की संख्या 74 से बढ़कर 141 हो गई है और अगले पांच वर्षों में यह बढ़कर 220 हो जाएगी। सिंधिया ने कई राज्यों द्वारा वैट घटाने की भी बात कही। अभी तक, 16 राज्यों में जेट ईंधन पर 1 प्रतिशत से 4 प्रतिशत के बीच वैट है। एटीएफ में वैट कम करने से अधिक कनेक्टिविटी में मदद मिलेगी और ईंधन भरने में तेजी आएगी।

सिंधिया ने यह भी कहा कि उन्होंने पश्चिम बंगाल के प्रतिनिधिमंडल के साथ राज्य में हवाई अड्डे के बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए आवश्यक कदमों के बारे में विस्तृत चर्चा की और कोलकाता हवाई अड्डे के लिए एक आक्रामक विस्तार योजना के लिए अपनी मंशा रखी।

ममता के उत्तर बंगाल दौरे को टालने के फैसले की विपक्ष ने की आलोचना

कोलकाता, 20 सितम्बर (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की 21 सितंबर से उत्तर बंगाल की दो दिवसीय यात्रा स्थगित कर दी गई है, जिस पर विपक्षी दलों ने चुटकी ली है, जिन्होंने इस फैसले को करोड़ों रुपये के डब्ल्यूबीएसएससी भर्ती घोटाले के सिलसिले में उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय के कुलपति सुबीरेश भट्टाचार्य की गिरफ्तारी से जोड़ा है।

अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को उत्तरकन्या में तीन कार्यक्रमों में भाग लेना था, जिसे उत्तर बंगाल में मिनी सचिवालय माना जाता है। इसी को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन तैयारी कर रहा था। लेकिन फिर अंतिम क्षण में घोषणा की गई कि उनकी निर्धारित यात्रा रद्द कर दी गई है।

दार्जिलिंग के सिलीगुड़ी विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक शंकर घोष ने कहा कि डब्ल्यूबीएसएससी भर्ती अनियमितताओं के मामले में भट्टाचार्य की गिरफ्तारी के बाद मुख्यमंत्री की निर्धारित यात्रा को रद्द करना उनकी ओर से एक जानबूझकर चेहरा बचाने की कवायद है।

उन्होंने दावा किया, 'उत्तर बंगाल के लोग नहीं बल्कि राज्य के अन्य हिस्सों के लोग एक ही सवाल उठा रहे हैं। कथित वित्तीय घोटाले के लिए एक प्रमुख राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति की गिरफ्तारी से ज्यादा शर्मनाक कुछ नहीं हो सकता है।' हालांकि, तृणमूल कांग्रेस के दार्जिलिंग जिलाध्यक्ष आलोक चक्रवर्ती ने कहा कि मुख्यमंत्री का दौरा रद्द होने का केंद्रीय एजेंसियों के घटनाक्रम से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा, 'विपक्ष नियमित प्रशासनिक घोषणा पर राजनीतिक कीचड़ उछालने की कोशिश कर रहा है।'

भारतीय खेल से राजनेताओं का सफाया होना चाहिए : वरुण गांधी

नई दिल्ली, 20 सितम्बर (एजेन्सी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद वरुण गांधी ने मंगलवार को खिलाड़ियों के साथ अपमानजनक व्यवहार का मुद्दा उठाया। गांधी ने सवाल किया कि क्या भारतीय खेलों से राजनीति, राजनेताओं और उनके प्रशासनिक प्रतिनिधियों का सफाया किया जाना चाहिए ताकि खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें? गांधी ने हाल की दो घटनाओं के वीडियो ट्विटर पर साझा किए।

साझा किए इनमें से एक वीडियो उत्तर प्रदेश के सहारनपुर का है, जिसमें कबड्डी खिलाड़ियों को शौचालय में खाना रखकर परोसते देखा जा सकता है। दूसरे वीडियो में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल ला गणेशन भारतीय फुटबॉल खिलाड़ी सुनील छेत्री को सामने से हटाते हुए देखे जा रहे हैं ताकि फोटो में उनकी तस्वीर स्पष्ट आ सके। यह घटना कोलकाता में हाल ही में संपन्न हुए डूरंड कप प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह की है। दोनों ही वीडियो सोशल मीडिया पर खूब साझा किए जा रहे हैं।

सांसद वरुण गांधी ने वीडियो साझा करने के साथ लिखा, भारतीय खिलाड़ियों की सफलता क्या सिस्टम की वजह से है या उसके बगैर है? उन्होंने कहा, लगातार अपमानजनक व्यवहार हमारे देश के लिए बहुत शर्म की बात है। क्या भारतीय खेलों से राजनीति, राजनेताओं और उनके प्रशासनिक प्रतिनिधियों का सफाया किया जाना चाहिए, ताकि वह अपने शीर्ष पर पहुंच सकें।

सहारनपुर के डॉ भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में 16 से 19 सितंबर तक लड़कियों की सब-जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसमें राज्य के 16 संभागों की 300 से अधिक लड़कियों ने भाग लिया था। इस मामले में सहारनपुर के जिला खेल अधिकारी अनिमेष सक्सेना को सोमवार को निलंबित कर दिया गया है।

बिहार में जेडीयू का कुछ नहीं बचेगा : आरसीपी सिंह

पटना, 20 सितम्बर (का.सं.)। कभी नीतीश कुमार के दाएं हाथ रहे आरसीपी सिंह ने नीतीश कुमार के फूलपुर से चुनाव लड़ने की खबरों पर तगड़ा वार किया है। उन्होंने बिहार के सीएम का फूलपुर से जुड़ा एक किस्सा सुनाकर जो कुछ कहा वो नीतीश को जरूर चुभेगा। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने करीब 8 साल पहले फूलपुर में जेडीयू के एक सम्मेलन का जिक्र करते हुए बिहार के सीएम को खूब सुनाया। इस दौरान उन्होंने कहा कि 2024 में जेडीयू का बिहार में कुछ बचेगा नहीं, यही वजह है कि मुख्यमंत्री को ये लोग प्रदेश के बाहर भेज रहे हैं।

आरसीपी सिंह ने एक निजी न्यूज चैनल से बात करते हुए नीतीश के यूपी से चुनाव लड़ने पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने मुख्यमंत्री के फूलपुर से चुनाव लड़ने की बात रखी है, वो ना तो बिहार के हितैषी हैं ना ही नीतीश बाबू के हितैषी हैं। जो लोग इस बात की चर्चा कर रहे उनसे एक सवाल पूछिए कई साल पहले मैं खुद वहां गया था। हमारे साथियों ने वहां रहकर एक सम्मेलन कराया था। मुख्यमंत्री भी उस सम्मेलन में संबोधन के लिए गए थे। करीब आठ साल हो गया उसके बाद क्या उन्होंने यूपी में झांका।

आरसीपी सिंह ने आगे कहा कि अभी यूपी चुनाव हुए क्या हाल रहा जेडीयू का। जिन-जिन सीट पर जेडीयू लड़ी एक व्यक्ति को छोड़ दीजिए तो लोगों को क्या कोई वोट मिला। जहां-जहां गलत बटन दबे वहीं इनको वोट मिला। अब बताइये जिस प्रदेश के आप इतने वर्षों से सीएम हैं, आप खुद पिछले बिहार विधानसभा चुनाव में लोगों को बता रहे थे कि भूलना नहीं ये मेरा आखिरी चुनाव है।

आरसीपी सिंह ने कहा कि 2024 के चुनाव में जेडीयू का अब बिहार में तो कुछ बचेगा नहीं, यही वजह है कि मुख्यमंत्री को पहले ही ये लोग प्रदेश के बाहर भेज दे रहे हैं। बताइये क्या कहना चाहते हैं? आज 165 विधायकों का समर्थन है लेकिन लोकसभा चुनाव में कितनी सीट मिलेगी। जेडीयू के कुल 43 विधायक ही हैं। सियासी स्थिति देखें तो 10 सीट मिलेगी, इनके 16 सांसद हैं, जिनमें 6 तो वैसे ही बाहर हैं। मुख्यमंत्री अब खुद बाहर जा रहे हैं।

आरसीपी सिंह ने आगे कहा कि नीतीश कुमार को एनडीए के साथ 2025 तक बिहार की जनता ने विकास की जिम्मेदारी दी थी। उनसे कोई कुछ पूछे नहीं इसलिए खुद मुख्यमंत्री फूलपुर जा रहे। कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि लोगों के मन में डर का माहौल है। गृह मंत्रालय आपके पास है ऐसे में आपको इस पर लगाम की जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

नीतीश कुमार ने मुख्य सचिव को आदेश दे दिया है, सभी विभागों में तेजी से नौकरी-बहाली हो

पटना, 20 सितम्बर (का.सं.)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य के मुख्य सचिव को आदेश दिया है कि सरकार के सभी विभागों में खाली पदों पर तेजी से बहाली की प्रक्रिया पूरी करके रिक्त पदों को भरा जाए। पटना में राजस्व विभाग के नवनियुक्त कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र देने के लिए आयोजित एक समारोह में नीतीश ने कहा कि उन्होंने चीफ सेक्रेटरी को आदेश दे दिया है कि सभी विभागों में तेजी से बहाली की जाए। कार्यक्रम में डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव भी मौजूद थे।

नीतीश ने इस मौके पर अधिकारियों को राजस्व विभाग में 27 सौ और पदों पर बहाली में तेजी लाने का आदेश दिया। नीतीश ने विपक्ष पर तंज कसा कि ये लोग तनाव और झंझट पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने केंद्र सरकार को भी निशाने पर लिया और कहा कि काम से मतलब नहीं है, बस ये लोग प्रचार-प्रसार में विश्वास रखते हैं।

इस बीच उत्तर प्रदेश की फूलपुर लोकसभा सीट से 2024 का आम चुनाव लड़ने की अटकलों पर नीतीश कुमार ने कहा कि मेरी ऐसी कोई ईच्छा नहीं है, मेरा प्रयास है कि विपक्ष एकजुट हो जाए। बता दें कि कुछ दिनों से चर्चा तेज है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरह नीतीश कुमार भी 2024 के चुनाव में यूपी से लड़ सकते हैं और फूलपुर या मिर्जापुर में से कोई एक सीट हो सकती है जहां से वो लड़ना पसंद करें।

इस बीज राजस्व विभाग के कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र के वितरण पर बीजेपी ने आरोप लगाया है कि जिन लोगों को नियुक्ति पत्र दिया जा रहा है उनको एनडीए सरकार के कार्यकाल में ही नियुक्ति दे दी गई थी जब विभाग के मंत्री बीजेपी नेता रामसूरत राय थे। बीजेपी प्रवक्ता निखिल आनंद ने कहा कि ये फर्जी में नियुक्ति का पत्र बांट रहे हैं।

वहीं बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल ने आरोप लगाया है कि एनडीए सरकार में जान-बूझकर सवा लाख शिक्षकों समेत अन्य भर्तियां रोकी गई थीं ताकि महागठबंधन सरकार के काम के तौर पर उसे दिखाया जा सके। जायसवाल ने कहा- 'पिछले 4 महीनों से नीतीश जी ने 1 लाख 15 हजार शिक्षकों की नौकरी और लगभग एक लाख दूसरे विभागों की नौकरियों को जो एनडीए के शासनकाल में तय किया था, उसे रोके रखा था। आपके मन में पाप था इसलिए आप रोज नौकरियों को निकालने के लिए हमसे आजकल का नाटक कर रहे थें।'

बीजेपी सरकार ने पुरानी पेंशन खत्म करके बुजुर्गों का सहारा छीना : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, 20 सितम्बर (एजेन्सी)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने पुरानी पेंशन खत्म करने पर बीजेपी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने ट्वीट करलिखा कि बीजेपी सरकार ने पुरानी पेंशन खत्म करके बुजुर्गों का सहारा छीन लिया था। कांग्रेस की सरकारों ने राजस्थान और छत्तीसगढ़ में पुरानी पेंशन बहाल कर दी है। गुजरात, हिमाचल में भी कांग्रेस सरकार बनते ही पुरानी पेंशन बहाल की जाएगी।

बता दें कि इससे पहले कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि गुजरात विधानसभा चुनाव के बाद अगर उनकी पार्टी की सरकार बनती है तो राजस्थान और छत्तीसगढ़ की तरह इस प्रदेश में भी पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल की जाएगी।

उन्होंने ट्वीट किया कि पुरानी पेंशन ख़त्म कर, भाजपा ने बुज़ुर्गों को आत्मनिर्भर से निर्भर बना दिया। देश को मज़बूत करने वाले सरकारी कर्मचारियों का हक़ है पुरानी पेंशन।

इससे पहले राहुल गांधी ने गत पांच सितंबर को गुजरात में अपनी पार्टी के प्रचार अभियान की शुरुआत करते हुए कई वादे किये थे। उन्होंने कांग्रेस के सत्ता में आने पर राज्य के किसानों को मुफ्त बिजली देने, 10 लाख नयी नौकरियां सृजित करने व 500 रुपये में एलपीजी (रसोई गैस) सिलेंडर देने का वादा किया।

बिहार में महागठबंधन नहीं महाठगबंधन की सरकार : रामसूरत राय

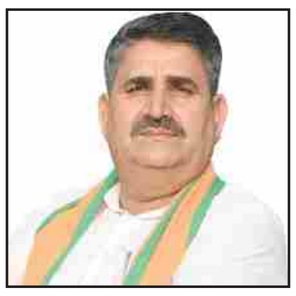

पटना, 20 सितम्बर (का.सं.)। आज मंगलवार को होने वाले राजस्व कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम पर वार पलटवार तेज है। निखिल आनंद के बाद अब बिहार के पूर्व राजस्व और भूमि सुधार मंत्री रामसूरत राय ने प्रेस रिलीज जारी कर नीतीश और तेजस्वी पर निशाना साधते हुए कहा है कि बिहार में वर्तमान में महागठबंधन की नहीं बल्कि महाठगबंधन की सरकार चल रही है। मौजूद सरकार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव जी, नौकरी देने के नाम पर राज्य की जनता की आंखों में धूल झोंकने का काम कर रहे हैं।

बिहार के पूर्व राजस्व और भूमि सुधार मंत्री रामसूरत राय ने दावा किया है कि राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग में जिन 4325 नवनियुक्त राजस्व कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र बांटने की बात कही जा रही है, उनकी नियुक्ति राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री रहने के दौरान 2 अगस्त 2022 को ही जिलावार आबंटन, रैंडम कम्प्यूटर माध्यम से पारदर्शी तरीके से किया जा चुका है। जिसे उसी दिन राजस्व विभाग के वेबसाइट पर अपलोड भी कर दिया गया था। बाद में संबंधित जिलाधिकारियों ने उन नवनियुक्त कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया था। अभी ये सभी 4325 राजस्व कर्मचारी अपने आबंटित अंचल कार्यालय में कार्यरत हैं।

पूर्व मंत्री रामसूरत राय ने सरकार पर रोजगार के नाम पर आंख धूल झोंकने का आरोप लगाते हुए कहा कि कार्यरत राजस्व कर्मचारियों को दोबारा नियुक्ति पत्र सौंपने का ढोंग करके मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री दोनों ही सिर्फ आंकड़ों की बाजीगरी कर रहे हैं। उनके इस खेल से यह भी स्पष्ट है कि 10 लाख नौकरी देने का वादा, वे लोग कैसे पूरा करेंगे? पूर्व मंत्री ने कहा कि हो सकता है कि आने वाले दिनों में, विभिन्न विभागों में चार-पांच साल पहले से कार्यरत कर्मचारियों को भी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव जी फिर से नियुक्ति पत्र बांट कर, राज्य के बेरोजगारों पर अपनी कृपा बरसाएंगे।

पूर्व मंत्री रामसूरत राय ने नीतीश कुमार और तेजस्वी के 20 लाख नौकरी के वादे पर निशाना साधते हुए कहा है कि उन्होंने राज्य के युवाओं के साथ 10 लाख और 20 लाख नौकरी देने का वादा नहीं बल्कि पाखंड किया है। दोनों को अपने इस ढोंग के लिए अपनी गलती स्वीकार करते हुए, राज्य की जनता से माफी मांगनी चाहिए। कानून व्यवस्था की दुहाई देते हुए पूर्व राजस्व और भूमि सुधार मंत्री रामसूरत राय ने कहा कि दरअसल राज्य में बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति से जनता का ध्यान भटकाने के लिए यह कुत्सित पाखंड किया जा रहा है।

मंगलवार शाम 4 बजे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री सह स्वास्थ्यमंत्री तेजस्वी यादव 4235 नए राजस्व कर्मियों को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। कार्यक्रम अधिवेशन भवन पटना में आयोजित किया गया है।

नोएडा दीवार गिरने के मामले में मामला दर्ज, एक आरोपी गिरफ्तार

नोएडा, 20 सितम्बर (एजेन्सी)। नोएडा के सेक्टर 21 में निमार्णाधीन दीवार गिरने के मामले में पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और 2 आरोपियों में से एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इस हादसे में 4 मजदूरों की मौत हो गई है।

पुलिस ने इस मामले में ठेकेदार और लेबर सख़्लायर के खिलाफ मामला दर्ज किया है और एक आरोपी गुल मोहम्मद को गिरफ्तार कर लिया है। नोएडा के एडिशनल डीसीपी आशुतोष द्विवेदी ने बताया कि इस मामले 304, 337, 338 और बाल श्रम अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

उन्होंने बताया कि एक आरोपी गुल मोहम्मद को पुलिस ने गिरफ्तार किया है और दूसरे आरोपी की तलाश की जा रही है।

इस हादसे का संज्ञान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लिया था और उस पर शोक जताया था। साथ-साथ होने हादसे के दोषी लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस कमिश्नर, डीएम, सीईओ रितु महेश्वरी समेत आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए थे।

जीटीए प्रशासन की .....

ओर, उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने जीटीए के आय और व्यय के बारे में बात की। बैठक में, जीटीए प्रमुख अनीत थापा ने कहा कि कोरोना संक्रमण काल में चाय मजदूरों की सहायता के लिए संग्रह किया था उस राहत कोष की राशि से सिलीगुड़ी में श्रमिक भवन निर्माण के पक्ष में जो बात रखा उसका विरोध करने की जानकारी भी पाल्देन तमांग ने दिया। तमांग ने कहा कि श्रमिक भवन निर्माण के लिए राज्य सरकार जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि श्रमिकों के समर्थन से एकत्रित धन का उपयोग श्रमिक भवन के निर्माण में नहीं बल्कि उसे बोनस के रूप में वितरण किया जाना चाहिए।

Government of Sikkim

Food & Civil Supplies Department

Secretariat Annexe-I, Gangtok, Sikkim – 737 101
Te: Office (03592-202708) Fax: (03592-202215)

NOTICE FOR TENDER

No.: 453/FCSD Date: 20.09.2022

Food & Civil Supplies Department, Government of Sikkim, invites online tender (Technical Bid and Financial Bid) for procurement and Installation of IRIS SCANNER at Fair Price Shops in the State of Sikkim.

Procurement Summary Sheet

Name of the Company	Food & Civil Supplies Department, Government of Sikkim	
Cost of the earnest money deposit (EMD)	2.00 lakhs (Two lakhs)	
Date of publishing of the tender document	Date: 21/09/2022	Time: 11 AM
Last date for receipt of queries	Date: 30/09/2022	Time: 3 PM
Last date and time for receipt of Bids on E-Tender	Date: 10/10/2022	Time: 11 AM
Technical Bid Opening:	Date: 11/10/2022	Time: 1 PM
Opening of Financial Bid	Date and Time : 11/10/2022 at 1 PM	
Primary Point of contact for RFP process related queries	Name: Tenzeen T Bhutia Designation: Joint Director (IT) Email: secy-food@sikkim.gov.in Phone: 9434486354	
Place of Opening Bids	O/o Special Secretary Department of Food and Civil Supplies, Government of Sikkim Kazi Road, Gangtok – 737101, East Sikkim	
Address for communication	Department of Food and Civil Supplies Government of Sikkim Sonam Tshering Marg Gangtok – 737101, East Sikkim	
Tender Documents Fees	10,000.00 (Ten Thousand Only)	

The Food & Civil Supplies Department reserves the right to change the schedule mentioned above or mentioned elsewhere in the document, which will be communicated by placing the same as corrigendum on the e-tender portal.

The Department reserves the right to reject any or all offers without assigning any reason. Tender offered will be opened in the presence of the bidder's representatives who choose to be present on the opening day.

NOTE FOR THE BIDDERS:-

There will be two (2) envelops:

First envelop will contain Annexure II, III, IV, V, VI, VIII, EMD, Trade License, GST Certificate, Tender document fee, CA audited certificate

Second Envelop will contain Annexure IX and X

Tender documents may be downloaded from sikkimtender.gov.in

R.O. No.: 184/IPR/PUB/Classi/22-23, DT.: 20.09.2022 **Joint Director (IT)**

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR LAXMI PIOUS TUESDAY
Draw No:16 DrawDate on:20/09/22
1st Prize ₹10,000/- 2791 3503
2nd Prize ₹5,000/- 0868 7585
3rd Prize ₹2,000/- 3238 6233
4th Prize ₹1,000/- 3481 7778
5th Prize ₹500/-
2706 3328 5382 5679 5821 7366
6th Prize ₹200/-
0156 0163 0181 0194 0195 0219 0234 0235 0281 0298
0317 0344 0358 0425 0474 0488 0499 0563 0585 0604
0639 0652 0659 0672 0706 0722 0757 0773 0787 0862
0869 0909 0989 1009 1022 1052 1140 1230 1238 1369
1373 1391 1430 1472 1479 1600 1604 1621 1633 1656
1686 1728 1730 1744 1771 1945 2065 2149 2162 2176
2188 2212 2231 2232 2383 2416 2426 2522 2537 2565
2573 2616 2712 2733 2786 2839 2875 2891 2895 2923
2927 2944 2950 2972 2976 2980 2996 3003 3015 3039
3056 3092 3148 3223 3280 3307 3362 3365 3440 3453
3470 3522 3563 3564 3579 3603 3604 3659 3718 3728
3785 3832 3836 3878 3918 3932 3950 4008 4014 4091
4102 4135 4190 4201 4223 4235 4239 4368 4481 4490
4508 4576 4611 4636 4696 4703 4716 4717 4743 4754
4776 4778 4779 4781 4787 4814 4866 4881 4915 5016
5066 5081 5125 5131 5147 5176 5179 5224 5229 5253
5264 5269 5272 5345 5430 5522 5549 5550 5573 5578
5616 5619 5652 5657 5672 5740 5745 5770 5818 5824
5889 5936 5948 6006 6013 6028 6048 6093 6149 6168
6207 6208 6254 6279 6304 6327 6459 6475 6486 6530
6609 6632 6665 6684 6717 6726 6755 6757 6762 6827
6858 6865 6928 6935 7047 7053 7070 7112 7219 7300
7341 7449 7452 7491 7495 7521 7523 7524 7527 7533
7567 7602 7675 7758 7789 7813 7890 7896 7903 8005
8124 8132 8145 8153 8177 8235 8237 8252 8292 8296
8321 8324 8342 8345 8530 8635 8659 8696 8737 8757
8776 8804 8934 8955 8969 8978 8984 9025 9061 9217
9273 9328 9378 9385 9393 9401 9402 9404 9411 9477
9506 9509 9531 9534 9567 9575 9603 9613 9626 9654
9729 9769 9774 9889 9893 9963 9964 9973 9980 9983
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR PARROT EVENING
TUESDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:195 DrawDate on:20/09/22
1st Prize ₹1 Crore/- 50B 72006
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 72006 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
01113 24166 26331 27512 29917 52602 61620 70205 86785 87147
3rd Prize ₹450/-
0638 2264 3095 4038 4432 5121 5384 6005 6642 9013
4th Prize ₹250/-
0095 0110 0410 1951 2271 3996 4176 6558 7635 7642
5th Prize ₹120/-
0031 0145 0151 0194 0195 0199 0239 0533 0598 0599
0648 0839 0938 0962 0972 0990 1084 1130 1270 1332
1340 1507 1594 1614 1670 1673 1833 1967 2030 2076
2236 2270 2514 2578 2603 3021 3117 3213 3526 3590
3615 3793 3805 3828 3832 3969 3987 4227 4270 4287
4338 4359 4616 4642 4767 4821 4834 5131 5339 5395
5488 5511 5548 5555 5691 5703 6040 6080 6222 6241
6561 6637 6977 7060 7110 7358 7451 7528 7531 7570
7576 7589 7735 7747 7761 7937 8007 8015 8345 8623
8627 8630 8679 8882 9208 9444 9554 9602 9628 9801
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR MOON TUESDAY
WEEKLY LOTTERY
Draw No:95 DrawDate on:20/09/22
1st Prize ₹1 Crore/- 78C 06008
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 06008 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
08151 08771 27167 35671 72090 73349 76052 84770 90229 93994
3rd Prize ₹450/-
0191 1238 1524 3274 4596 5177 6632 9010 9321 9717
4th Prize ₹250/-
0642 2188 2522 3629 5623 7156 7230 7258 7415 9973
5th Prize ₹120/-
0034 0062 0289 0365 0383 0618 0707 1092 1401 1572
1603 1665 1683 1971 2001 2053 2069 2088 2155 2262
2360 2390 2458 2700 2891 3046 3177 3350 3377 3434
3482 3683 3713 3720 3728 3863 3980 4056 4122 4249
4308 4374 4381 4479 4498 4877 5000 5018 5067 5126
5205 5261 5398 5454 5543 5592 5774 5792 5817 5918
5968 5995 5998 6070 6126 6200 6592 6606 6638 6753
6776 6890 6992 7091 7168 7245 7304 7380 7457 7595
7829 7843 8005 8016 8054 8285 8530 8571 8601 8752
8814 8871 9018 9048 9216 9276 9322 9331 9556 9714
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR TEESTA MORNING
TUESDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:95 DrawDate on:20/09/22
1st Prize ₹1 Crore/- 54A 85233
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 85233 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
05868 19502 31480 45551 70397 72449 82576 97413 97782 98318
3rd Prize ₹450/-
1165 1661 2033 2114 4831 6021 6441 6648 7718 9951
4th Prize ₹250/-
1195 2523 2626 3827 3996 4884 5379 5596 5907 7932
5th Prize ₹120/-
0145 0177 0211 0297 0382 0389 0402 0451 0573 0619
0690 0724 0776 1026 1066 1182 1247 1285 1355 1533
1657 1690 1955 2153 2243 2298 2395 2540 2542 2604
2611 2676 3046 3161 3169 3178 3209 3271 3317 3353
3549 3564 3630 3633 3746 3800 3823 3989 4021 4046
4089 4098 4170 4198 4373 4400 4625 4781 5242 5274
5331 5430 5496 5571 5779 5817 5971 6023 6045 6113
6334 6488 6562 6605 6659 7023 7151 7157 7301 7315
7460 7664 7897 8003 8079 8161 8162 8269 8288 8373
8417 8531 8760 8833 9197 9206 9239 9439 9553 9606
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

रूस से तेल खरीद सही

आखिर यूक्रेन पर भारत की नीति उपयुक्त परिणामों की कसौटी पर सही साबित होने लगी है। युद्ध शुरू होते ही भारत पर इस बात का दबाव पड़ना शुरू हो गया था कि वह रूस के खिलाफ खुलकर स्टैंड ले। हालांकि पारंपरिक तौर पर गुटनिरपेक्ष आंदोलन के नेता के रूप में भारत ने शीत युद्ध के दौरान भी दोनों महाशक्तियों से समुचित दूरी बनाए रखी थी। लेकिन पिछले तीन दशकों में दुनिया के वे सारे समीकरण बदल चुके थे। जहां भारत और अमेरिका काफी करीब आ चुके हैं, वहीं रूस भी सोवियत संघ वाली हैसियत से काफी दूर आ चुका है। जाहिर है, बदले हालात में दुविधा भी बड़ी थी। अमेरिका और पश्चिमी देशों की अपनी अपेक्षाएं थीं, उन अपेक्षाओं का दबाव भी था, लेकिन भारत के सामने चुनौती थी अपने राष्ट्रीय हितों पर आधारित स्वतंत्र विदेश नीति को जारी रखने की।

भारत ने पूरी दृढ़ता और समझदारी के साथ अपनी नीति पर चलना जारी रखा। युद्ध का विरोध और अंतरराष्ट्रीय शांति की हिमायत करते हुए भी भारत ने अपने पुराने मित्र रूस की निंदा करने की पश्चिमी देशों की जिद स्वीकार नहीं की। यही नहीं, रूस पर लगाए जाने वाले प्रतिबंधों की अनदेखी करते हुए उसने न केवल पहले हो चुके हथियार सौदों पर बेहिचक अमल किया बल्कि उससे सस्ता तेल आयात करने के अपने अधिकार पर भी कोई आंच नहीं आने दी। यह एक ऐसा मसला था जिस पर अमेरिका और पश्चिमी देशों ने पहले इशारों में और फिर खुलकर नाखुशी जताई, लेकिन भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने साफ-साफ कह दिया कि रूस से सस्ता तेल लेना भारत के हित में है और वह अपने राष्ट्रीय हितों से कोई समझौता नहीं करेगा।

नतीजा यह कि इस अवधि में रूस से तेल का आयात लगातार बढ़ता रहा और भारत रूसी तेल का चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा खरीदार बन गया। युद्ध से पहले तक देश की कुल तेल खरीदारी में रूसी तेल का हिस्सा मात्र एक फीसदी हुआ करता था, वह अब बढ़कर 12 फीसदी तक पहुंच चुका है। इस सस्ते तेल की खरीदारी से भारत को अब तक 35000 करोड़ रुपये की बचत हुई है। हालांकि यह सही है कि तेल सरकार नहीं खरीदती, सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की रिफाइनरी कंपनियां खरीदती हैं। लेकिन फिर भी सस्ता तेल आना अर्थव्यवस्था के लिए कई तरह से फायदेमंद होता है। यह जहां कीमतों को कम रखता है वहीं देश का आयात बिल और डॉलर की मांग पर अंकुश रखते हुए करंट अकाउंट डेफिसिट को भी नियंत्रित रखने में मदद करता है।

ज्ञानवापी मस्जिद मामला : बेहद अहम है निर्णय

अवधेश कुमार

वाराणसी जिला न्यायालय द्वारा ज्ञानवापी मस्जिद मामले को सुनवाई के योग्य मानने को गलत बताने वाले न्यायालय को कठघरे में खड़ा कर रहे हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। वास्तव में यह महत्त्वपूर्ण फैसला है।

सामान्य तौर पर देखें तो कहा जा सकता है कि इतने सघन विवाद का मामला न्यायालय में है तो उसको सुनवाई के योग्य करार देना बिलकुल स्वाभाविक है। किंतु मुस्लिम पक्ष की ओर से मुकदमा लड़ रहे अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी ने इसी बात पर पहली कानूनी लड़ाई लड़ी कि यह मामला सुनवाई के योग्य है ही नहीं। जिस तरह के तर्क न्यायालय में दिए गए, उनसे एकबारगी लगने लगा था कि कहीं मामला उलझ न जाए। मुस्लिम पक्ष इसके विरुद्ध उच्च न्यायालय जा रहा है, किंतु इससे जिला न्यायालय में मामले की सुनवाई नहीं रुक सकती। यहां मुख्य मामले की सुनवाई जारी रहेगी। इस फैसले के बाद वाराणसी के गंगा घाट पर जैसा उत्सव का दृश्य दिखा और पूरे देश में हिंदुओं ने जैसा उत्साह प्रदर्शित किया उससे समझा जा सकता है कि ज्ञानवापी मामले पर किस तरह की सामूहिक भावना देश में मौजूद है। इस मामले में न्यायालय का फैसला 26 पन्नों का है। न्यायालय ने पूजास्थल कानून के संदर्भ में भी अपना मत स्पष्ट किया है। इसने लिखा है कि हिंदू पक्ष का कहना है कि वे 15 अगस्त, 1947 के पहले से साल 1993 तक ज्ञानवापी में प्रतिदिन श्रृंगार गौरी की पूजा कर रहे थे। ऐसे में इस कानून की धारा 4 के अनुसार मामले की सुनवाई नहीं रोकी जा सकती। हिंदू पक्ष को अपने दावों को साबित करने के लिए साक्ष्य पेश करने का पूरा मौका मिलना चाहिए।

वक्फ के बारे में न्यायालय ने अपनी टिप्पणी में कहा है कि याची गैर मुस्लिम है और वह कानून से अनजान है। ऐसे में धारा 85 इस मामले में लागू नहीं हो सकती। याचिका में सिर्फ पूजा की इजाजत मांगी गई है संपत्ति का स्वामित्व नहीं। काशी विनाथ मंदिर कानून, 1983 के संदर्भ में भी न्यायालय की टिप्पणी महत्त्वपूर्ण है। इसने स्पष्ट कहा है कि पूजा के अधिकार के दावे सुनने के लिए कानून में निषेध नहीं है। मुस्लिम पक्ष साबित करने में विफल रहा कि यह मामला विनाथ मंदिर कानून के तहत आता है। जिला न्यायाधीश ने अपने फैसले के निष्कर्ष में लिखा है कि दलीलों और विश्लेषण को देखने के बाद मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि यह मामला पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991, वक्फ अधिनियम, 1995 और उत्तर प्रदेश श्री काशी विनाथ मंदिर अधिनियम ,1983 तथा बचाव पक्ष संख्या चार (अंजुमन इंतजामिया) द्वारा दाखिल याचिका 35 सी के तहत वर्जित नहीं है। लिहाजा इसे निरस्त किया जाता है। न्यायालय की टिप्पणियों और फैसले से साफ है कि मुस्लिम पक्ष ने मामले को लटकाने के लिए सारे तर्क दिए थे। सच यही है कि अभी तक ज्ञानवापी से संबंधित मामलों में मुस्लिम पक्ष की ओर से ऐसा कोई प्रमाण नहीं दिया गया, जिनसे यह साबित होता हो कि हिंदुओं द्वारा मूल काशी विनाथ मंदिर का दावा ऐतिहासिक तथ्यों के अनुसार गलत है। जैसा हम जानते हैं जिला न्यायालय के समक्ष यह मामला मां श्रृंगार गौरी की पूजा के अधिकार से संबंधित है। पिछले वर्ष पांच महिलाओं राखी सिंह, लक्ष्मी देवी, सीता साहू, मंजू व्यास और रेखा पाठक ने याचिका दायर कर प्रतिदिन पूजा करने का अधिकार मांगा था। हालांकि अब हिंदू पक्ष की ओर से मुकदमा लड़ने वालों के बीच व्यापक मतभेद हो गए हैं।

इसकी मुख्य लड़ाई सनातन संस्था लड़ रही थी, जिसने पांचों महिलाओं द्वारा याचिका डलवाया था। हरिशंकर जैन, विष्णु जैन तथा इनके साथ खड़े कुछ लोगों से मतभेद के कारण इस संस्था ने इन दोनों को मुकदमे से अलग कर दिया था। बाद में कुछ लोगों ने इनमें से चार महिलाओं को तोड़कर अपने साथ लिया तथा उनके वकालतनामा पर दोनों पिता-पुत्र मुकदमा लड़ रहे हैं, लेकिन इससे न्यायालय को कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि उसके सामने पांचों महिलाओं का केस है। जब न्यायालय ने मस्जिद परिसर के वीडियोग्राफी सर्वे का आदेश दिया था तब भी मुस्लिम पक्ष ने इसे रोकने के लिए पूरा जोर लगाया था। सर्वोच्च न्यायालय में विशेष अनुमति याचिका दायर की गई थी। सर्वोच्च न्यायालय ने उनकी दलीलों को खारिज करके वीडियोग्राफी पर रोक लगाने से इनकार किया। बस केवल मामला सामान्य सिविल न्यायालय से जिला न्यायालय को भेज दिया। सर्वोच्च न्यायालय ने निर्देश दिया था कि कोई वरिष्ठ न्यायाधीश इस मामले की सुनवाई करे। उसी में यह कहा गया था कि वही तय करेंगे कि हिंदू पक्ष की याचिका सुनवाई के योग्य है या नहीं। इलाहाबाद उच्च न्यायालय में ज्ञानवापी मस्जिद के स्वामित्व को लेकर चल रहा है, जिसकी सुनवाई 28 सितम्बर को होगी। उसके फैसले से तय होगा

कि मस्जिद का धार्मिक स्वरूप क्या है।

तो यहां से श्रृंगार गौरी के पूजन के अधिकार का मामला फिर आरंभ हुआ है। हालांकि पूजन के अधिकार पर बहस में यह भी तय होगा कि वह वाकई मस्जिद है या मंदिर? सच कहा जाए तो न्यायालय द्वारा वीडियोग्राफी कराने का उद्देश्य यही था कि देख लिया जाए वहां अंदर क्या है? जितने दृश्य सामने आए हैं उनसे बहुत साफ दिखता है कि अंदर के निर्माण को मस्जिद मानना कठिन है। हिंदुओं के शिवलिंग के दावे के विपरीत उसे फव्वारा बताने पर बहस अभी खत्म नहीं हुई है। 20 अक्टूबर को सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष यह मामला सुनवाई के लिए आ सकता है। बहरहाल, हिंदू पक्ष के वकील ने कहा कि अब हम मस्जिद के पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग द्वारा सर्वे की मांग करेंगे। इसके साथ जो सामग्री मिली है खासकर शिवलिंग उसके कार्बन डेटिंग की मांग भी की जाएगी ताकि उसकी आयु सीमा का निर्धारण किया जा सके।

कहने का तात्पर्य कि मामला मां श्रृंगार गौरी की पूजा का जरूर है, लेकिन इसी में स्वयंमेव निहित था कि वह मस्जिद है या मंदिर। जब यह स्पष्ट हो जाएगा तभी तय होगा कि मां श्रृंगार गौरी की पूजा स्थाई रूप से प्रतिदिन होनी चाहिए या नहीं। वैसे जिला न्यायालय में अगली सुनवाई 22 सितम्बर को है और हिंदू पक्ष यदि समग्र सर्वेक्षण और कार्बन डेटिंग की मांग करता है तो उस पर न्यायालय को फैसला देना होगा। कुल मिलाकर ज्ञानवापी का मामला अब महत्त्वपूर्ण मोड़ पर पहुंच गया है। न्यायालय जो भी फैसला दे उसे दोनों पक्ष स्वीकार करें इसी में सबका हित है।

तालिबान के रवैये से बढ़ी मुश्किलें

कुलदीप तलवार

अफगानिस्तान की सत्ता पर पिछले साल 15 अगस्त को तालिबान ने कब्जा कर लिया था, जो दूसरे साल भी जारी है। वहां हालात काबू में नहीं आ रहे। कब्जे से पहले दोहा (कतर) में तालिबान और अमेरिका के बीच एक समझौता हुआ था, जिसमें तालिबान ने वायदा किया था कि वे अल कायदा और दूसरे दहशतगर्द संगठनों के साथ कोई संबंध नहीं रखेंगे और अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल किसी और देश के खिलाफ नहीं करने देंगे।

लेकिन काबुल के सुरक्षित इलाके में अपने परिवार के साथ रह रहे अल कायदा के अमीर अयमान अल जवाहिरी अमेरिकी ड्रोन हमले में मारे गए। उसके बाद दुनिया को असलियत का पता चल गया कि तालिबान अब भी अल कायदा के काफी निकट है। तालिबान की ऐसी दोहरी नीतियों के कारण ही उसकी सरकार को मान्यता नहीं मिली। सच तो यह है कि तालिबान सरकार दोहा समझौते पर पूरी तरह अमल नहीं कर पा रही है और यही कमजोरी विश्व बिरादरी की तालिबान सरकार को मान्यता देने में रुकावट डाल रही है।

वे देश भी आगे बढ़ने को तैयार नहीं, जो तालिबान सरकार के साथ हमदर्दी रखते हैं। अब भी कई ऐसे मुद्दे हैं, जिनके कारण तालिबान में गहरे मतभेद पाए जाते हैं, जैसे लड़कियों की पढ़ाई और महिलाओं की नौकरी का मुद्दा इत्यादि। इसका कारण यह है कि देश में अब तक समावेशी सरकार कायम नहीं हो पाई है। यह तय हुआ था कि सरकार में सभी समुदायों और वर्गों का प्रतिनिधित्व होगा। पर अभी तक ऐसा नहीं हो सका। सरकार में पश्तून और उज्बेक का ही दबदबा है।

नतीजतन आपसी मतभेदों के कारण मंत्रिमंडल में तब्दीलियां होती ही रहती हैं। चंद दिन पहले ही उप-सूचना मंत्री जबीउल्लाह मुजाहिद को इस्तीफा देना पड़ा। मानवाधिकारों का हनन बराबर जारी है। सरकार पर कट्टरपंथियों का नियंत्रण है, जिसका नुकसान जनता को हो रहा है।

तालिबान अपनी प्रतिबद्धताओं को लागू करने में विफल रहे हैं और कड़ी नीतियां फिर से लागू कर रहे हैं। महिलाओं का हिजाब पहनना अनिवार्य है और उन पर सार्वजनिक तौर पर काम करने पर प्रतिबंध लगा है।

वे अकेले यात्रा नहीं कर सकतीं और उन्हें ड्राइविंग लाइसेंस देने पर रोक लगा दी गई है। शिक्षा प्राप्त करने के लिए लड़कियों को काबुल छोड़ने की अनुमति नहीं है। अगर महिलाएं इन प्रतिबंधों के खिलाफ आवाज उठाती हैं और प्रदर्शन करती हैं, तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाता है। हजारों अल्पसंख्यक तालिबान के जुल्मों से छुटकारा पाने के लिए पलायन कर गए हैं। मंदिरों और गुरुद्वारों को नुकसान पहुंचाया गया है।

तालिबान दोहा समझौते में वायदा कर चुके हैं कि देश में ऐसी चीजों की खेती बंद कर देंगे, जिससे नशीले पदार्थ तैयार होते हैं और उनकी स्मगलिंग पर सख्ती से रोक लगा दी जाएगी। पर सरकार इस कारोबार को बंद नहीं कर सकी। यही कारण है कि सारी दुनिया में तालिबान की छवि खराब है। देश की आर्थिक हालत बुरी तरह चरमरा गई है। उसको कहीं से माली मदद नहीं मिल पा रही। अमेरिका ने अफगान सेंट्रल बैंक की 3.5 अरब डॉलर की जब्त की हुई रकम लौटाने से इनकार कर दिया है।

दरअसल अमेरिका इस बात की गारंटी नहीं दे सकता कि यह रकम दहशतगर्दों के हाथ नहीं जाएगी। संयुक्त राष्ट्र ने आगाह किया है कि बढ़ती गरीबी से जूझ रहे अफगानिस्तान के 60 लाख लोगों के अकाल से प्रभावित होने का खतरा मंडरा रहा है। देश मानवीय, आर्थिक, जलवायु, भुखमरी और कई वित्तीय संकटों का सामना कर रहा हैं। उसने दानदाताओं से अनुरोध किया है कि अफगानिस्तान की दिल खोलकर मदद करें। इसके अलावा भुखमरी खत्म करने में प्रतिदिन आने वाले खाने की चीजों को उपलब्ध कराएं।

कई देश बराबर मानवीय आधार पर मदद कर रहे हैं। भारत ने भी कई लाख टन गेहूं व खाद्य सामग्री भेजी है, जिसकी अफगान जनता तारीफ कर रही है। इससे भारत का तालिबान सरकार के साथ सीधा संपर्क भी स्थापित हुआ है। अफगानिस्तान के मौजूदा संगीन हालात को देखते हुए, यही कहा जा सकता है कि जब तक तालिबान की कट्टरपंथी सोच और रवैया नहीं बदलेगा, जनता का भरोसा प्राप्त नहीं होगा तथा वहां के हालात दिन-प्रतिदिन और खराब होंगे।

महिला विधायकों को सीएम योगी ने लिखा पत्र, कहा- 'मिशन शक्ति' से बदली प्रदेश की छवि

लखनऊ, 20 सितम्बर (एजेन्सी)। यूपी के विधानसभा और विधान परिषद में एक दिन की कार्यवाही महिला विधायकों को समर्पित करने के ऐतिहासिक मौके से ठीक पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महिला विधायकों को पत्र लिखा है।

दोनों सदनों की सभी महिला सदस्यों को लिखे इस पत्र में मुख्यमंत्री ने महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है, साथ ही मिशन अंतर्गत अब तक के प्रयासों और परिणामों का पूरा विवरण भी उपलब्ध कराया है। पत्र में सीएम योगी ने लिखा है मिशन शक्ति के अन्तर्गत केन्द्र एवं राज्य सरकार की महिला सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं और कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन से देश और दुनिया में उत्तर प्रदेश का पर्सेप्शन बदला है। विगत साढ़े पांच वर्षों में उत्तर प्रदेश सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा व सम्मान को सुनिश्चित करते हुए उन्हें स्वावलम्बी बनाने के उद्देश्य से व्यापक स्तर पर कार्य किये हैं।

मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, सरकारी नौकरियों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाकर, स्वरोजगारपरक योजनाओं आदि से व्यापक स्तर पर जोड़कर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अभूतपूर्व कार्य किए गये हैं। सीएम ने अपने पत्र के साथ ही महिला सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं की पूरी जानकारी भी उपलब्ध कराई है।

बता दें कि आगामी 22 सितम्बर को एक अभिनव प्रयास के तहत प्रदेश की विधानसभा व विधान परिषद में पूरा एक दिन महिला विधायकों को समर्पित किया जा रहा है। इस दिन महिला विधायक अपनी बात रखेंगी।

वियतनाम, अफगानिस्तान और यूक्रेन

सुरेंद्र कुमार

राजनयिक महाराज कृष्ण रसगोत्रा ने किसी भी अन्य भारतीय राजनयिक की तुलना में कहीं अधिक भारतीय तथा ब्रिटिश प्रधानमंत्रियों और अमेरिकी राष्ट्रपतियों को देखा है। पिछले हफ्ते ही उन्होंने अपने जीवन के 98 वर्ष पूरे किए हैं, लेकिन अब भी उनकी स्मृति तीक्ष्ण है, उनमें जटिल अंतरराष्ट्रीय मुद्दों की गहरी समझ है और वह उनका सूक्ष्मता से विश्लेषण करते हैं। अपनी बेबाक राय रखने से वह नहीं हिचकते।

15 सितंबर को इंडो-अमेरिकन फ्रैंडशिप एसोसिएशन (आईएएफए) के दिल्ली में हुए सम्मेलन में उन्होंने जोर देकर कहा कि द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद से दुनिया पर एक निष्पक्ष नजर यह संकेत देगी कि जब भी कोई बड़ी शक्ति किसी छोटे से देश पर आक्रमण करती है, जिसके लोग पूरी तरह से स्वतंत्र हैं; जो इसे ख्रयार करते हैं, इस पर गर्व करते हैं और इसके लिए मरने को तैयार रहते हैं, तो अंततः उसे हार का सामना कर पीछे हटने को मजबूर होना पड़ता है।

उन्होंने 1965 में वियतनाम पर अमेरिकी हमले का उदाहरण दिया, जो कि छोटा-सा देश था और आर्थिक या सैन्य मामलों में अमेरिका से उसकी कोई बराबरी नहीं थी। लेकिन उसने अमेरिकी सैनिकों को ताबूत में वापस भेज दिया, जिनकी स्मृति में 57,939 सैनिकों के नाम के साथ वाशिंगटन में वियतनाम वेटरन वॉर मेमोरियल है। अत्यंत पीड़ादायक वियतनाम युद्ध ने अमेरिकी समाज को इस कदर विभाजित कर दिया, जैसा पहले कभी नहीं हुआ।

मानव क्षति का अंबार लग गया। अंततः अमेरिका को बेहद अपमानजनक ढंग से 1975 में वापसी करनी पड़ी। सैगान स्थित अमेरिकी दूतावास की छत से हेलीकॉप्टरों के जरिये अमेरिकी अधिकारियों के आखिरी दस्ते की वापसी की तस्वीरें आज भी अमेरिकियों को परेशान कर देती हैं। इस पराजय से कोई सबक न लेते हुए अमेरिका ने 11 सितंबर, 2001 को न्यूयॉर्क स्थित वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के ट्विन टावर पर हुए आतंकी हमले के बाद अक्तूबर 2001 में अफगानिस्तान पर हमला कर दिया और तालिबान सरकार को उखाड़ फेंका तथा उसके अनेक नेताओं को गुआंतानामो बे में कैद कर लिया।

बीस साल के दौरान करीब बीस खरब डॉलर खर्च करने और करीब चार हजार सैनिकों की जान गंवाने के बाद उसे बेहद अपमानजनक परिस्थितियों में वहां से वापसी करनी पड़ी, जबकि अनेक यूरोपीय देशों का उसे समर्थन हासिल था। 30 अगस्त, 2021 को काबुल स्थित उसके दूतावास की छत से उसके अधिकारियों ने हेलीकॉप्टरों में सवार होकर वापसी की उड़ान भरी थी। दो बड़ी शक्तियों के साथ भी यही हुआ।

चीन ने फरवरी, 1979 में वियतनाम पर हमला किया था, लेकिन नौ दिनों के भीतर ही उसे कड़ी चुनौती मिली और लहूलुहान होकर मार्च, 1979 में उसे वापसी करनी पड़ी।

इसी तरह से सोवियत संघ ने दिसंबर, 1979 में अफगानिस्तान पर हमला किया। 15,000 से अधिक फौजियों की मौत के बाद उसे अंततः 1988 में पराजय के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करने पड़े और 1989 में अफगानिस्तान से वापसी करनी पड़ी।

उन्होंने महसूस किया कि हाल के हफ्तों में रूस को यूक्रेन से गंभीर नुकसान हुआ है, जो अमेरिका और उसके पश्चिमी सहयोगियों द्वारा उन्नत हथियारों से लैस है और उसके बहादुर सैनिक निडर होकर लड़ रहे हैं और हमलावर दुश्मन को हराने के लिए दृढ़ हैं। रसगोत्रा के अनुसार, यूक्रेन संकट अगले छह महीनों में खत्म हो जाना चाहिए। उन्होंने महसूस किया कि भारत, जिसके रूस और यूक्रेन दोनों के साथ घनिष्ठ संबंध हैं और जिसने अब तक किसी का पक्ष नहीं लिया है, मध्यस्थता करने और रूस की सम्मानजनक वापसी की सुविधा प्रदान करने के लिए अच्छी तरह से तैयार है।

रसगोत्रा ने भविष्यवाणी की है कि असीमित दोस्ती की हालिया घोषणाओं के बावजूद, अगले 25 वर्षों में चीन और रूस के बीच विशेष रूप से दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच एक टकराव की आशंका है। राजनयिक रसगोत्रा के मुताबिक हालांकि भारत अपनी रक्षा खरीद और तेल तथा गैस की आपूर्ति के लिए रूस पर बहुत अधिक निर्भर करता है, लेकिन पचास खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए भारत के अमेरिका के साथ निकटतम संभावित संबंध होने चाहिए।

उन्हें लगता है कि चीन की अर्थव्यवस्था गंभीर रूप से गिरावट की ओर है; दुनिया के अधिकांश देशों ने जहां कोविड महामारी का सामना किया, वहीं चीन में इसकी वजह से बहुत सख्त लॉकडाउन लगाने पड़े। रसगोत्रा के विचार में, चीन के बीआरआई ने पाकिस्तान और श्रीलंका की अर्थव्यवस्थाओं को नष्ट कर दिया है और भारत की सहायता के कारण बांग्लादेश इस तबाही से बच गया है।

उन्होंने महसूस किया कि पाकिस्तान, श्रीलंका और नेपाल की वर्तमान स्थिति को देखते हुए 'नेबर्स फर्स्ट' (पड़ोसी पहले) एक अच्छी अवधारणा है, लेकिन इसमें किसी तरह की प्रगति नहीं हुई है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति की सराहना की, जिन्होंने इस तथ्य के बावजूद भारत को अमेरिका के सबसे करीब ला दिया है कि इसने उन्हें 10 साल के लिए वीजा से वंचित कर दिया था।

अमेरिकी राष्ट्रपतियों और अन्य विश्व नेताओं के साथ व्यक्तिगत केमिस्ट्री विकसित करने की उनकी क्षमता को भी उन्होंने सराहा। उन्होंने वर्तमान विदेश मंत्री की प्रशंसा की। विदेश मंत्री एस जयशंकर कभी रसगोत्रा के शिष्य रहे हैं। वास्तव में रसगोत्रा अपने-आप में जीवित संस्था हैं, जिन्होंने भारतीय राजनयिकों की अनेक पीढ़ियों को प्रेरित किया है। इन पंक्तियों के लेखक ने 1980 के दशक में लंदन में भारतीय उच्चायोग में उनके साथ काम करते हुए बहुत कुछ सीखा।

रसगोत्रा से यह सीखने को मिला कि कूटनीति केवल ग्राफ्स, आंकड़ों और कुछ बिंदुओं के साथ मसौदा तैयार करना भर नहीं होती, बल्कि यह शीर्ष नेतृत्व तक पहुंच का प्रयास करने, सत्ता के उत्तोलकों को इस्तेमाल करने वाले क्षेत्रों की पहचान करने और उनसे संपर्क बनाने, निर्णय लेने की क्षमता को प्रभावित करने वालों, सांसदों, कारोबारी हितों, शिक्षाविदों, मीडिया और प्रभावी प्रवासी भारतीयों के नेताओं के साथ सेतु बनाने से जुड़ी होती है।

मेडिकल रिप्रिजेन्टेटिव सदाबहार कॅरिअर

जैसे-जैसे मल्टी नेशनल कंपनियां भारतीय दवा बाजार में पैर फैला रही हैं वैसे-वैसे हर कंपनी आक्रामक विपणन नीति का सहारा ले रही है। इसके लिए दवा कंपनियां मेडिकल रिप्रिजेंटिव की नियुक्ति करती हैं जो चिकित्सक, दवा कंपनियों और उनके ग्राहकों के बीच की बहुत ही महत्वपूर्ण कड़ी है। इनके बिना कोई भी कंपनी अपना व्यवसाय फैला नहीं सकती।

गला काट प्रतिस्पर्धा के इस दौर में बाजार में टिके रहने के लिए कंपनियां विपणन नीति का सहारा ले रही हैं। इससे दवा कंपनियां भी अछूती नहीं है। भूमंडलीकरण ने इस प्रतिस्पर्धा को और बढ़ा दिया है। जैसे-जैसे मल्टी नेशनल कंपनियां भारतीय दवा बाजार में पैर फैला रही हैं वैसे-वैसे हर कंपनी आक्रामक विपणन नीति का सहारा ले रही है। इसके लिए दवा कंपनियां मेडिकल रिप्रिजेंटिव की नियुक्ति करती है जो चिकित्सक, दवा कंपनियों और उनके ग्राहकों के बीच की बहुत ही महत्वपूर्ण कड़ी है। इनके बिना कोई भी कंपनी अपना व्यवसाय फैला नहीं सकती। लिहाजा इस क्षेत्र में भी रोजगार के बेहतर अवसर खुल रहे हैं।

मेडिकल रिप्रिजेंटिव के क्षेत्र में कॅरियर बनाने के इच्छुक अभ्यार्थी को विज्ञान स्नातक होना आवश्यक है। लेकिन फार्मेसी में डिग्री और डिप्लोमाधारी अभ्यर्थी को सभी दवा कंपनी प्राथमिकता देती हैं। हालांकि इस क्षेत्र में सफलता हासिल करने के लिए डिग्री से ज्यादा धैर्य, लगन तथा वाकपटुता की जरूरत होती है। इसके साथ ही आकर्षक व्यक्तित्व, बातचीत से दूसरे को प्रभावित करने की क्षमता और सकारात्मक सोच का होना भी जरूरी है।

एक मेडिकल रिप्रिजेंटिव यानी एमआर का काम मेडिकल व्यवसाय से जुड़े, व्यवसायियों, चिकित्सकों से संपर्क कर अपनी कंपनी द्वारा उत्पादित दवाओं की गुणवत्ता बताना होता है। उन्हें इस तरह समझाना होता है कि चिकित्सक रोगियों को उन्हीं की कंपनी की दवा लिखे। एक एमआर को अपनी कंपनी की उत्पादित तमाम दवाओं की जानकारी रखना होता है और चिकित्सकों और व्यवसायियों को बताना होता है। यानी वह कंपनी और व्यवसायियों के बीच एक पुल का काम करता है। एक तरह से उसके कंधे पर कंपनी की सफलता की पूरा दारोमदार टिका हुआ है।

एक एमआर को वेतन उसकी योग्यता और कंपनी के स्तर के आधार पर मिलता है। शुरुआत में एक एमआर को 5 से लेकर 15 हजार रुपए तक मिलते हैं। इसके अलावा वाहन, यात्रा भत्ता, हाउसिंग और सुविधाएं अलग से मिलती हैं। देश के कई संस्थानों में मेडिकल प्रशिक्षण और फार्मा मार्केटिंग मैनेजमेंट, बैचलर ऑफ फार्मेसी और डिप्लोमा इन फॉर्मेसी के कोर्स कराए जाते हैं। इनमें से कुछ प्रमुख संस्थान इस प्रकार हैं-

- हमदर्द कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मदनगीर, दिल्ली।
- कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी, पुष्प विहार, महरौली, दिल्ली।
- महिला पॉलीटेक्निक, महारानीबाग, नई दिल्ली।
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- बॉम्बे कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मुंबई, महाराष्ट्र।
- बिहार कॉलेज ऑफ फार्मेसी, अनिसाबाद, पटना, बिहार।

सफलता का आईना हो आपका रिज्यूमे

नौकरी प्राप्त करने का पहला कदम रिज्यूमे प्रेषित करना होता है। आपका रिज्यूमे आपकी सफलता का आईना हो, जिसमें सब कुछ स्पष्ट दिखे। वह केवल आपकी सफलता ही नहीं, बल्कि आपके कार्य-इतिहास के बारे में भी सब कुछ कहे, ताकि नियोक्ता को कहीं कोई शंका न रह जाए।

आज के प्रतिस्पर्धा भरे माहौल में आपको दूसरों से अलग बनाती हैं आपकी सफलताएं। यहां हम आपको कुछ टिप्स बता रहे हैं, ताकि आपके रिज्यूमे में आपकी सफलताएं भली-भांति प्रदर्शित हों। जहां प्रतिस्पर्धा बहुत ज्यादा बढ़ चुकी है, वहां केवल योग्यता और कार्यानुभव के दम पर अच्छी नौकरी पाना आसान नहीं है। ऐसे में आपकी छोटी-बड़ी सफलताएं ही हैं, जो आपको अन्य लोगों से आगे रखती हैं। आप किसी कंपनी के लिए कितने तरीके से लाभदायी सिद्ध हो सकते हैं, इस बात को अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और इसे बताने के लिए जरूरी है कि आपका रिज्यूमे बेहतरीन तरीके से तैयार किया जाए, जो आपको साधारण आवेदक की श्रेणी से विशेष की श्रेणी में पहुंचाएगा।

उत्तरदायित्वों को पेश करें

अपना रिज्यूमे तैयार करने का एक बढ़िया तरीका है कि आप शब्दों का चयन चतुराई से करें। यहां तक कि जब आप अपने कार्य उत्तरदायित्वों की बात करें तो उन्हें ऐसे पेश करें कि वे आपकी सफलताएं नजर आएं। मिसाल के तौर पर..

पहले- उत्तरी क्षेत्र में सेल्स की जिम्मेदारी।

अब- समूचे उत्तरी क्षेत्र के सेल्स प्रमुख।

देखिए कैसे 'जिम्मेदारी' की जगह 'प्रमुख' क्रिया का इस्तेमाल करते ही रिज्यूमे आपकी जो छवि बनाता है, उसमें कितना अंतर दिखाई देने लगा है। अगर एक रिज्यूमे में सिर्फ आपके उत्तरदायित्वों का ही जिक्र होता है तो किसी भी कंपनी को यह बिल्कुल समझ में नहीं आता कि आप असल में करते क्या थे! साथ में उन्हे बमुश्किल ही पता चल पाता है कि आप उनके लिए क्या कर सकते हैं। इस बात का खास ख्याल रखें कि अपनी रोजमर्रा की जिम्मेदारियों को बताने के लिए दमदार क्रिया-शब्दों जैसे लेड, इनीशिएटेड, स्पीयरहेडेड, कंट्रोल्ड, एक्सेलरेटेड, अटेंड, कॉन्सेप्चुलाइज्ड, कंडक्टेड, डिवाइस्ड, डायरेक्टेड, ड्राफ्टेड, एक्जीक्युटेड, एन्हैंस्ड, एस्टेब्लिश्ड आदि का इस्तेमाल करें। इन शब्दों के माध्यम से आपकी छवि एक सक्रिय कर्मचारी की बनेगी और कंपनी पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। जब आप यह कहेंगे कि आपको क्या हासिल हुआ, बजाए इसके कि आप क्या संभालते थे तो आपकी छवि एक उत्तरदायी और पहल करने वाले कर्मचारी के रूप में बनेगी, न कि सिर्फ ऐसे व्यक्ति के रूप में, जो केवल दिया हुआ काम ही पूरा करता है।

जिम्मेदारियों के बारे में बताएं

किसी कंपनी को यह बताना भी बेहद महत्वपूर्ण है कि आप अपने काम को कितने अच्छे तरीके से संभालते हैं। इसके लिए भी आपको 'रिस्पॉन्सिबल फॉर' से कुछ अधिक कहना होगा, जैसे..

पहले- कंपनी में एमआईएस इंटरफेस की जिम्मेदारी।

अब- नए मार्केट्स की तलाश और क्लाइंट्स को बेहतर सेवा देने के लिए एमआईएस के साथ तकनीकी तरक्की के लिए कार्य (इंटरफेस)।

पहले जो रिज्यूमे में लिखा गया है, उससे कंपनी के दिमाग में यह बात स्पष्ट नहीं होती कि आप कितने प्रभावी तरीके से अपनी जिम्मेदारी संभाल रहे थे, वहीं दूसरे मामले में 'इंटरफेस' शब्द ने आपको एक सक्रिय आवेदक के रूप में प्रस्तुत किया है। इस तरह किसी भी कार्य के साथ जुड़ने ने यह दिखा दिया है कि आपका इसमें क्या योगदान रहा और यही आपकी सफलता भी है। साथ ही इससे कंपनी को यह भी समझ में आ गया कि भविष्य में आप किस प्रकार से उन्हें योगदान दे सकते हैं। दरअसल हम एक बेसिक रिज्यूमे में अपने संपर्क की जानकारी, अपना उद्देश्य, अपने बारे में जानकारी, कार्यानुभव, अतिरिक्त गतिविधियां और दूसरी जानकारी देने में काफी जल्दबाजी करते हैं। हम अक्सर ऐसी जगह आकर रुक जाते हैं, जहां हमें वास्तव में अपनी वर्तमान कंपनी में अपने योगदान का जिक्र करना चाहिए।

एक दमदार रिज्यूमे का मुख्य तत्व 'प्रमाण' होता है। प्रमाण इस बात का कि आपने रिज्यूमे में जो कुछ भी कहा है, आप उसकी इज्जत रखेंगे - और यह प्रमाण आपके वाइटल स्टेटस में होता है, जिसमें तथ्य व आंकड़े या परिणाम दर्शाने वाले कथन होते हैं। ये सब आपके वर्तमान कार्य को दर्शाते है व आपको एक सफल व कार्य करने के इच्छुक कर्मी के रूप में साबित करते हैं।

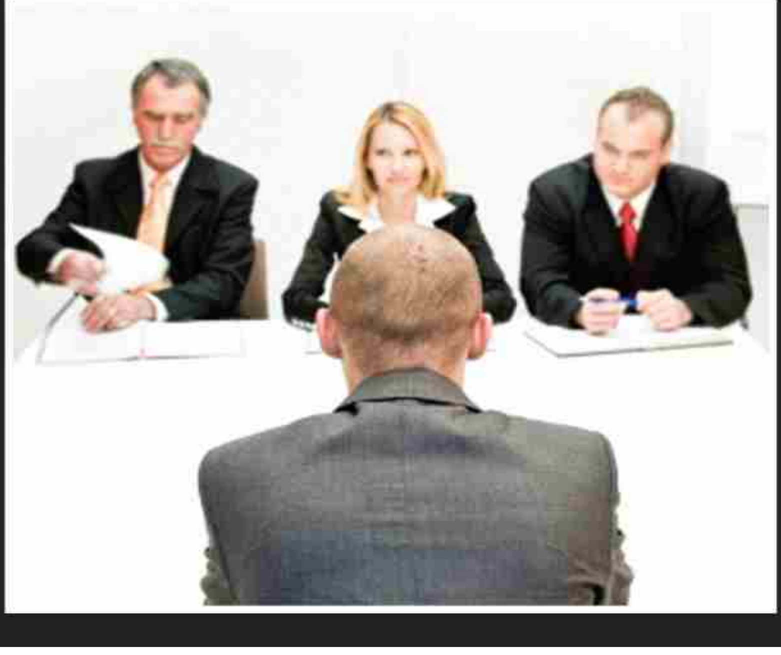

जब भटक जाए करियर प्लान

कॉलेज डिग्री के बाद आप कॉर्पोरेट जगत में अपना प्रोफेशनल जीवन शुरू करते हैं। इसके लिए आप इंटरव्यू की तैयारियां भी पूरे मनोयोग से करते हैं, जहां 'आप पांच वर्ष में खुद को कहा देखते हैं?' जैसे प्रश्नों की आप खास तैयारी करते हैं। लेकिन पांच या दस वर्ष बाद आपकी महत्वाकांक्षाएं कितनी पूरी हो पाती हैं? क्या आप अपनी प्रगति से संतुष्ट होते हैं या आपको लगता कि यदि एक और मौका मिले तो आप अपने प्रयास कुछ अलग तरीके से करना चाहेंगे ? जब करियर लक्ष्य पूरे न हों तो निराशा होनी स्वाभाविक होती है; फिर जरूरी हो जाता है कि आप अपनी मौजूदा स्थिति का आकलन करें और करियर ग्राफ को ऊपर ले जाने के लिए भावी योजना की रूपरेखा एक बार फिर तैयार करें।

निराशा से जूझना - क्या शुरुआत में वह नौकरी आपके हाथ से निकल गई थी जिसे आप सचमुच प्राप्त करना चाहते थे, और क्या आपका मौजूदा कार्य आपको तरक्की करने के पूरे मौके नहीं दे रहा और क्या कोई नया ऑफर भी आपकी ओर नहीं आ रहा, या फिर कई नौकरियां बदलने के बावजूद आप वहां नहीं पहुंच पा रहे जहां पहुंचने की आपने उम्मीद की थी, और इन सबके अलावा अर्थव्यवस्था का कठिन दौर भी आपके खिलाफ जा रहा है?

कई बार आपके सच्चे प्रयासों के बाद भी परिस्थितियां शुरू से ही आपके विपरीत रहती हैं। फिर भी, यहां यह ध्यान रखना होगा कि आप जो रास्ता पार कर चुके हैं, उस पर आप वापस तो नहीं जा सकते, लेकिन भविष्य की तैयारी अपने अनुसार जरूर कर सकते हैं।

पुनर्प्रयास - तो यदि आपको लगता है कि आपके करियर चार्ट में कुछ कमी है तो उसका सही **आकलन करें** - क्या यह वह बुनियादी हुनर है जिसकी कमी से आप बड़ी परियोजनाओं का हिस्सा नहीं बन पा रहे हैं या कोई सॉफ्ट स्किल है जो महत्वपूर्ण कार्य संबंधों को आपसे दूर रख रहा है? इसके बाद, उपरोक्त कमियों को दूर करने के लिए जरूरी प्रशिक्षण के बाद की परिस्थितियों का भी आकलन करें। यह भी जरूरी है कि आप अपने करियर के मौजूदा दौर में प्रशिक्षण की महत्ता को समझों।

फोकस बदलें - आपने अपनी सारी ऊर्जा एक ही दिशा में लगा दी थीं, परंतु वह आपके काम नहीं आई। तो अब समय आ गया है कि आप आगे बढ़ें और अन्य दिशाओं में अपने प्रयास शुरू कर दें। इसका मतलब करियर की दिशा में परिवर्तन नहीं होता, बल्कि मौजूदा कार्य के साथ नई जिम्मेदारियां उठाना, जिनमें आपको कुछ नए हुनर सीखने की जरूरत हो। याद रखें कई बार विपरीत परिस्थितियों में नए अवसर छुपे होते हैं; एक अदद निराशा को अपने समूचे करियर को नुकसान न पहुंचाने दें।

खुद पर भरोसा - दुविधा के समय अपने निर्णयों पर सवाल करना अक्सर एक प्राकृतिक क्रिया होती है; परंतु जरूरी है कि अपनी सोच और क्षमताओं पर विश्वास डगमगाना नहीं चाहिए। गलत नौकरी या विपरीत परिस्थितियों का शिकार होना ही आपके बारे में नहीं बताता। इसलिए, अपनी जमीन पर जमें रहें।

कैसे पाएं प्रोमोशन

फर्ज करें आपके बॉस, आपके बॉस के बॉस और अन्य कंपनी एग्जीक्यूटिव्स एक साथ बैठकर आपके बारे में विचार कर रहे हों। इस दौरान वह आपके कार्य चरित्र, आपकी लीडरशिप क्वालिटीज, आपके प्रोजेक्ट्स, आपके अधीनस्थों, आपके द्वारा प्राप्त नतीजों और गत वर्ष के दौरान आपकी परफॉरमेंस के बारे में चर्चा करते हैं। यह समिति एक बहुत महत्वपूर्ण नतीजा लेती है- आपको तरक्की मिलनी चाहिए या नहीं ? बेशक आपके संस्थान में इस कार्य से जुड़ा कोई अनौपचारिक तरीका न हो, लेकिन इस तरह की प्रक्रिया कमोबेश प्रत्येक छोटी या बड़ी कंपनी में होती है। दरअसल, इस प्रक्रिया के दौरान कुछ ऐसा होता है- प्रत्येक मैनेजर अपनी पसंद के प्रत्याशी को तरक्की प्राप्त करने के सबसे बड़े उम्मीदवार के तौर पर पेश करता है। उस समय समिति के अन्य सदस्य यह जानना चाहते हैं कि ऐसा क्यों है।

इसलिए ऐसे समय आपको एक ऐसे मैनेजर का सहयोग होना चाहिए जो आपके बारे में सही छवि पेश कर सके। आपके मैनेजर के साथ अन्य ऐसे मैनेजर्स और एग्जीक्यूटिव्ज भी होंगे जिन्होंने आपके साथ काम किया है, वह भी अपने विचार रखेंगे। इसलिए यह जरूरी हो जाता है कि वह आपका सकारात्मक और असरकारी रूप सामने रखें। जाहिर है जब प्रत्येक मैनेजर अपने प्रत्याशी के पक्ष में बात सामने रखेगा, उस समय प्रतिस्पर्धा बहुत सख्त हो जाएगी। प्रत्याशियों की संभावी तरक्की के बारे में अधिकारियों के बीच यह मंत्रणा ईमानदार और कड़वी भी हो सकती है। यदि आपको कोई पसंद नहीं करता, तो वह भी ऐसे समय स्पष्ट हो जाता है। कई बाद हालात उस समय सचमुच बिगड़ जाते हैं जब अपने प्रत्याशी को किसी भी कीमत पर तरक्की दिलाने पर उतारू कोई मैनेजर अन्य प्रत्याशियों की बढ़-चढ़ कर बुराइयां करने लगता है। तो तरक्की पाने का आपका मौका तब अधिक होता है जब आपको -

- हाई परफॉरमेंस रिव्यूज मिले हों।
- आपने दिए गए सभी लक्ष्य प्राप्त कर लिए हों।
- आपने भावी सभी लक्ष्यों को प्राप्त करने की शुरुआत कर दी हो।
- आपने टीम के कार्य पूरे कर दिए हों।
- कंपनी को बचत करने की विधि बताई हो।
- अतिरिक्त कार्यों की जिम्मेदारी ली हो।
- नए संबंध स्थापित किए हों।
- कार्य के दौरान ज्यादा देर तक काम किया हो।

परंतु कुछ बिंदु आपके खिलाफ भी जा सकते हैं यदि -

- समिति में सब आपको, आपके कार्य और उपलब्धियों से परिचित न हों।
- मंत्रणा के दौरान यदि ज्यादा लोगों ने आपके पक्ष में न बोला हो।
- आप दफ्तर की राजनीति से दूर रहते हों यानी आप समूचे 'खेल का हिस्सा' न हों।
- आपने दिए गए कार्य से अतिरिक्त कुछ और न किया हो।
- यदि नीति निर्धारक आपसे प्रभावित न हों और कम ही लोग आपके पक्ष में बात रख रहे हों।

यदि प्रोमोशन नहीं मिलती तब?

यदि ऐसा होता है तो तुरत-फुरत अपने रिज्यूमे अन्य स्थानों को भेजने न शुरू कर दें। इससे अनुभव लें और अगली बार के लिए तैयार रहें। कुछ उपाय-

बॉस से सही फीडबैक लें

प्रोमोशन से जुड़ी मीटिंग की अधिकाधिक जानकारी प्राप्त करने का प्रयास करें। आपके बॉस बेशक ऐसे समय कुछ बातें आपको नहीं बताए, परंतु फिर भी वह बिना नाम लिए जरूरी जानकारी आपको दे सकते हैं।

अपनी कमियों को भी जाहिर करें

रक्षात्मक न बनें। अपनी कमियों को दूर करने के लिए अपने बॉस के साथ काम करें। उदाहरण के लिए, यदि वरिष्ठ समूह कहता है कि आप वित्तीय मामलों में अधिक मजबूत नहीं है, तो कहें कि आप इस विषय में प्रशिक्षण लेने को तैयार हैं।

अगली मीटिंग का इंतजार न करें

यह कभी न सोचें कि आपका कार्य अपनी पहचान खुद बनेगा। आपका लक्ष्य होना चाहिए कि मीटिंग रूम में सब को आपकी उपलब्धियों का पहले से पता हो। इसके लिए कंपनी के हित में आपके कार्य के बारे में नीति निर्माताओं को समझाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करें।

तरक्की प्राप्त करने से जुड़े तीन उपाय

चूंकि अब आप जानते है कि इस दौरान 'खेल' खेला जाता है, तो प्रोमोशन प्राप्त करने से जुड़े कुछ उपाय जानिए।

बॉस को करें तैयार

इस बात पर ध्यान दें कि आपके बॉस के पास आपकी उपलब्धियों से जुड़ी सभी जानकारी दस्तावेजों के रूप में मौजूद हो।

बॉस को सहयोग दें

ऐसे कुछ बिंदुओं को तैयार करें जो बताएं कि आप क्यों आदर्श प्रत्याशी हैं। इन बिंदुओं के साथ अत्य तथ्यात्मक जानकारी भी दें जो कंपनी के हित से जुड़ी हो। कुछ बड़े ग्राहकों या उपभोक्ताओं से प्राप्त प्रशंसा पत्र आदि भी साथ रखें।

अन्य लोगों की प्रतिक्रियाओं का पूर्वानुमान

अपने सहयोगियों का लाभ लें और विरोधियों द्वारा संभावी नुकसान का आकलन करें। अपने बॉस को यह भी सूचना दें कि आपने मंत्रणा कक्ष में मौजूद लोगों की किस तरह मदद की थी। यदि कुछ विरोधी तत्व आपकी नजर में हैं तो उनकी जानकारी भी बॉस को दें। उनसे आपके बॉस कैसे निपटें, इस पर विचार किया जाना जरूरी होता है।

अप्रेजल का समय आने को है। इसके बहाने आप अपने कार्य की समीक्षा स्वयं भी कर सकते हैं। तो शुरुआत कीजिए इस कार्य की जो आपको इस वर्ष तरक्की के मार्ग पर आगे बढ़ाने जा रहा है। बता रहे हैं जोल गार्फिकल

व्हाट्सएप पर कारोबार को बढ़ावा देने के लिए मेटर ने सेल्सफोर्स के साथ किया करार

सैन फ्रांसिस्को, 20 सितम्बर (एजेंसी)। मेटा के संस्थापक और सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने मंगलवार को सॉफ्टवेयर कंपनी सेल्सफोर्स के साथ साझेदारी की घोषणा की, जहां कंपनियां अपने प्लेटफॉर्म पर व्हाट्सएप बिजनेस मैसेज का इस्तेमाल ग्राहकों के सवालों के जवाब देने, मार्केटिंग अभियान चलाने और सीधे चैट में बेचने के लिए कर सकती हैं।

जुकरबर्ग ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा, 'अधिक से अधिक लोग टैक्स्ट पर व्यवसायों के साथ संवाद करना पसंद करते हैं। इसलिए हमने इस साल की शुरुआत में अपना क्लाउड एपीआई लॉन्च किया था और अब सेल्सफोर्स के साथ साझेदारी कर रहे हैं।'

नया एकीकरण व्यवसायों को व्हाट्सएप पर ग्राहकों के साथ चैट करने के अनुभव बनाने में मदद करेगा, जबकि सीधे सेल्सफोर्स ख्लेटफॉर्म से संचार का प्रबंधन करने में सक्षम होगा।

मेटा में बिजनेस मैसेजिंग के वीपी मैथ्यू इडेमा ने कहा, 'हम चाहते हैं कि अधिक से अधिक लोग तेजी से, समृद्ध इंटरैक्शन से लाभान्वित हों और हम व्यवसायों को व्हाट्सएप पर उठने और चलाने के लिए इसे त्वरित और आसान बनाने के तरीकों में निवेश करना जारी रखे हुए हैं।'

कंपनी ने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े ग्राहक संबंध प्रबंधन (सीआरएम) प्लेटफॉर्म सेल्सफोर्स के साथ साझेदारी करके, कई और व्यवसाय अपने ग्राहकों से जुड़ने के लिए व्हाट्सएप का उपयोग करने में सक्षम होंगे।

कंपनी ने कहा, 'उदाहरण के लिए, एकीकरण के लिए पायलट के एक हिस्से के रूप में, लोरियाल ग्रुप ब्रांड्स व्हाट्सएप का उपयोग उन उपभोक्ताओं के साथ फिर से जुड़ने के लिए करेंगे, जो पहले एक शॉपिंग कार्ट में आइटम छोड़ चुके थे और उन्हें कूपन और चैट थ्रेड पर सही ऑफर भेजेंगे।'

मेटा-व्हाट्सएप व्यापार एकीकरण को और बढ़ावा देने के लिए, जुकरबर्ग ने मई में मूल कंपनी द्वारा होस्ट किए गए व्हाट्सएप क्लाउड एपीआई (एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस) के साथ वैश्विक स्तर पर सभी आकारों के व्यवसायों के लिए मोबाइल मैसेजिंग प्लेटफॉर्म खोलने की घोषणा की।

इस कदम के साथ, कोई भी व्यवसाय या डेवलपर आसानी से सेवा तक पहुंच सकता है, अपने अनुभव को अनुकूलित करने के लिए सीधे व्हाट्सएप के शीर्ष पर निर्माण कर सकता है और सुरक्षित व्हाट्सएप क्लाउड एपीआई का उपयोग करके ग्राहकों के लिए प्रतिक्रिया समय को तेज कर सकता है।

कंपनी व्हाट्सऐप पर मेटा द्वारा प्रदान की जाने वाली सुरक्षित क्लाउड होस्टिंग सेवाओं के साथ कारोबार की पेशकश करेगी।

मदर डेयरी को 2022-23 में कारोबार 20 प्रतिशत बढ़कर 15,000 करोड़ रुपए होने की उम्मीद

नई दिल्ली, 20 सितम्बर (एजेंसी)। मदर डेयरी को उम्मीद है कि उत्पादों की बेहतर मांग के कारण चालू वित्त वर्ष में उसका कारोबार 20 प्रतिशत बढ़कर लगभग 15,000 करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है। दिल्ली-एनसीआर की शीर्ष डेयरी कंपनी के प्रबंध निदेशक मनीष बंदलिश ने यह बात कही। मदर डेयरी, जो खाद्य तेल और फल तथा सब्जियां भी बेचती है, का कारोबार पिछले वित्त वर्ष में 12,500 करोड़ रुपए था।

मदर डेयरी फ्रूट्स एंड वेजिटेबल्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक मनीष बंदलिश ने पिछले सप्ताह ग्रेटर नोएडा में आयोजित आईडीएफ-विश्व डेयरी सम्मेलन के मौके पर बताया, "हमें उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष में कारोबार 20 प्रतिशत वृद्धि के साथ करीब 15,000 करोड़ रुपए तक पहुंच जाएगा।" उन्होंने कहा कि यह वृद्धि विभिन्न डेयरी उत्पादों की मात्रा और मूल्यों, दोनों से प्रेरित होगी। बंदलिश ने कहा, "हम अपने सभी दूध और अन्य डेयरी उत्पादों की मजबूत मांग देख रहे हैं। गर्मियों के दौरान आइसक्रीम की बिक्री में काफी वृद्धि हुई है।"

महामारी के चलते लगाए गए लॉकडाउन के कारण 2020 और 2021 में आइसक्रीम की बिक्री प्रभावित हुई थी। मदर डेयरी ने पिछले महीने दिल्ली-एनसीआर में दूध की कीमतों में दो रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी। कंपनी ने इस साल मार्च में भी दूध की कीमतों में इतनी ही बढ़ोतरी की थी।

बंदलिश ने कहा, "पिछले महीने खुदरा कीमतों में बढ़ोतरी के बाद हमारी दूध खरीद लागत में दो रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है।" यह पूछने पर कि क्या खुदरा कीमतों में और वृद्धि की जाएगी, उन्होंने कहा, "दूध की लागत में बढ़ोतरी की मौजूदा प्रवृत्ति जारी रहती है, तो हम 3-4 महीने के बाद इस पर विचार कर सकते हैं।"

गौरतलब है कि पशु चारे की लागत में तेजी से वृद्धि हुई है, जिससे किसानों की बिक्री मूल्य बढ़ाना पड़ा है। इसलिए डेयरी कंपनियों की दूध खरीद लागत बढ़ गई है।

उन्होंने कहा कि डेयरी उत्पादों के अलावा मदर डेयरी का खाद्य तेल, ताजे फल और सब्जियां तथा ब्रेड कारोबार भी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। कंपनी 'धारा' ब्रांड के तहत खाद्य तेल और 'सफल' ब्रांड के तहत ताजे फल और सब्जियों की बिक्री करती है।

सीतारमण ने वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों से सरकार के साथ जुड़ाव बढ़ाने को कहा

मुंबई, 20 सितम्बर (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को वित्तीय प्रौद्योगिकी उद्योग से आपसी भरोसे को और मजबूत करने के लिए दूरियों को समाप्त कर सरकार तथा उसकी एजेंसियों के साथ अधिक-से-अधिक जुड़कर काम करने को कहा। सीतारमण ने ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (जीएफएफ)-2022 सलाहकार बोर्ड के चेयरमैन कृष गोपालकृष्णन के एक सवाल के जवाब में यह बात कही। उन्होंने पूछा था कि उद्योग, नियामकों तथा सरकार के बीच भरोसा कैसे सुनिश्चित किया जा सकता है।

वित्त मंत्री ने कहा, मैं एक ही चीज बार-बार नहीं दोहराना चाहती लेकिन यह सही है कि दूरी अविश्वास पैदा करती है। इसीलिए दूरियों को समाप्त कीजिए, सरकार के साथ अधिक-से-अधिक जुड़ाव रखिये।" उन्होंने कहा कि सरकार में चाहे प्रधानमंत्री हों, मंत्री हों या नीति आयोग, हर कोई बातचीत, विचारों के आदान-प्रदान के लिए उपलब्ध है। सीतारमण ने कहा, जितना अधिक जुड़ाव होता है, उतना ही अधिक विश्वास बनता है। इसीलिए मुझे लगता है कि भरोसा बनाए रखने और उसे बढ़ाने का एक निश्चित तरीका निरंतर जुड़ाव को बरकरार रखना है।" डिजिटल मुद्रा को लेकर भारतीय रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय की भूमिका से जुड़े एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा लाएगा।

उल्लेखनीय है कि वित्त मंत्री ने एक फरवरी को अपने बजट भाषण में कहा था कि आरबीआई चालू वित्त वर्ष में डिजिटल रुपया या केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा जारी करेगा। जीएफएफ-2022 को संबोधित करते हुए सीतारमण ने कहा कि आरबीआई की नियामकीय सैंडबॉक्स प्रणाली (नियंत्रित परिवेश में ग्राहकों के साथ वित्तीय उत्पादों का परीक्षण) से एक संस्थागत व्यवस्था बनी है जिसमें वित्तीय प्रौद्योगिकी से जुड़ी कंपनियां अपने नये उत्पादों को बाजार में पेश करने से पहले उसका परीक्षण, नवोन्मेष करने में सक्षम हैं।

उन्होंने कहा, वास्तव में इससे उत्पादों को एक नियंत्रित परिवेश में परीक्षण का मौका मिला और उसके बाद आप उसे आगे बढ़ाने में सक्षम हैं ताकि बाजार को उसका लाभ मिल सके तथा अपने-अपने उत्पाद को लेकर नवोन्मेष में तेजी ला सकें।"

सीतारमण ने यह भी कहा कि वित्तीय प्रौद्योगिकी से जुड़ी कंपनियों के लिये एक सतत वित्तीय परिवेश में भूमिका निभाने और हरित वित्त के क्षेत्र में विशिष्ट अवसरों का लाभ उठाने को लेकर अवसर हैं। हरित वित्त एक वित्तीय व्यवस्था है जिसमें कोष का उपयोग सामाजिक या पर्यावरण अनुकूल कार्यों के लिये किया जाता है।

एसबीआई ने निर्यातकों से बांग्लादेश के साथ रुपए-टका में व्यापार करने को कहा

मुंबई, 20 सितम्बर (एजेंसी)। एसबीआई ने निर्यातकों से कहा है कि वे बांग्लादेश के साथ डॉलर व अन्य बड़ी मुद्राओं में कारोबार करने से बचें। इसकी जगह पर रुपये और टका में व्यापार कर सकते हैं।

बांग्लादेश की 416 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था ऊर्जा और भोजन की बढ़ती कीमतों से जूझ रही है, क्योंकि रूस-यूक्रेन संघर्ष ने अपने चालू खाते के घाटे को बढ़ा दिया है। घटती विदेशी मुद्रा इसे आईएमएफ जैसे वैश्विक उधारदाताओं की ओर मुड़ने के लिए मजबूर करती है। एसबीआई ने 24 अगस्त को अपनी सभी शाखाओं को भेजे पत्र में कहा, हाल में उच्च आयात बिल और डॉलर के मुकाबले बांग्लादेशी टका की कमजोरी से वह विदेशी मुद्रा की कमी का सामना कर रहा है।

भारत और सऊदी अरब ने रुपये व रियाल में कारोबार करने के साथ रूपे कार्ड एवं यूपीआई में भी कारोबार करने पर चर्चा कर रहे हैं। वाणिज्य मंत्रालय ने सोमवार को कहा, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के रियाद दौरे पर इस बारे में चर्चा हुई है।

आरबीआई ने रुपये की गिरावट थामने के लिए इस साल जनवरी से जुलाई के दौरान 38.8 अरब डॉलर की बिकवाली की है। यह पिछले 9 साल में सबसे ज्यादा है। इस समय यह तेजी से विदेशी मुद्रा भंडार का उपयोग रुपये की गिरावट रोकने के लिए कर रहा है।

शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, अकेले जुलाई में ही 19 अरब डॉलर को बेचा गया है। इसके बावजूद अगस्त में डॉलर की तुलना में रुपया गिरकर रिकॉर्ड 80 के पार पहुंच गया था।

हालांकि, अभी यह 79-80 के बीच ही है। आरबीआई ने 2013 में जून-सितंबर के बीच शुद्ध रूप से 14 अरब डॉलर की बिक्री की थी।

अर्थशास्त्रियों ने कहा, आरबीआई का विदेशी मुद्रा भंडार इतना ज्यादा है कि रुपये की कमजोरी को रोकने के लिए यह और ज्यादा डॉलर बेच सकता है।

ट्विटर नेत्रहीनों के लिए लाया नया फीचर, संभव होगा इमेज को पढ़ना

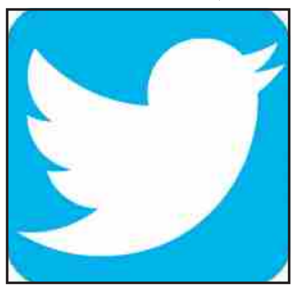

नई दिल्ली, 20 सितम्बर (एजेंसी)। ट्विटर ने नेत्रहीन और दृष्टिबाधित लोगों को अपने नए इमेज डिस्क्रिप्शन रिमाइंडर के माध्यम से ट्वीट्स के साथ दी गई तस्वीरों को पढ़ने में मदद करने के लिए एक नया फीचर शुरू किया है।

कंपनी ने एक बयान में कहा कि नया इमेज डिस्क्रिप्शन रिमाइंडर ट्विटर पर अधिक लोगों को उनके द्वारा ट्वीट की गई तस्वीरों में उपयोगी विवरण जोड़ने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

वैकल्पिक टेक्स्ट, एक तस्वीर में क्या है, इसका एक लिखित विवरण देता है जिसे दृष्टिबाधित लोग उपयोग किए जाने वाले स्क्रीन रीडर सॉफ्टवेयर से पढ़ सकते हैं।

जब भी आप किसी ट्वीट में कोई फोटो जोड़ते हैं, तो आपके पास वैकल्पिक टेक्स्ट का उपयोग कर उसका वर्णन करने का विकल्प होता है, जिसे डिजिटल छवि विवरण के रूप में भी जाना जाता है।

कंपनी ने कहा, हमारा नया इमेज डिस्क्रिप्शन रिमाइंडर एक फीचर है जो आपको ट्विटर पर अपलोड और शेयर की जाने वाली हर इमेज में ऑल्ट टेक्स्ट जोड़ने की अच्छी आदत बनाने के लिए प्रेरित करता है।

एक बार सक्षम हो जाने पर, यह सुविधा आपको वेब और मोबाइल पर एक संकेत भेजती है जो आपको याद दिलाती है कि जब भी आप किसी तस्वीर को ट्वीट करने वाले हों तो वैकल्पिक टेक्स्ट जोड़ें।

ट्विटर ने घोषणा की, हम अपना नया इमेज डिस्क्रिप्शन रिमाइंडर वैश्विक स्तर पर जारी कर रहे हैं, और ट्विटर पर अधिकांश लोगों के पास पहले से ही इसकी पहुंच है।

विवरण न केवल स्क्रीन रीडर का उपयोग करने वाले लोगों के लिए उपयोगी होते हैं, बल्कि कम बैंडविड्थ वाले क्षेत्रों में, वेब फोन वाले लोगों और किसी भी तस्वीर के बारे में अधिक जानने के इच्छुक लोगों के लिए उपयोगी होते हैं।

ट्विटर ने सूचित किया, छवि विवरण उन लोगों को तस्वीर का वर्णन करने में मदद करते हैं जो इसे देखने में सक्षम नहीं हैं, इसलिए टेक्स्ट रखना महत्वपूर्ण है : जो महत्वपूर्ण है उसे कैप्चर करें, संक्षिप्त रहें, और उद्देश्यपूर्ण बनें।

विवरण वाली तस्वीरें निचले बाएं कोने में एएलटी बैज के साथ दिखाई देंगी, जिससे यह स्पष्ट हो जाएगा कि छवि के लिए अतिरिक्त वर्णनात्मक टेक्स्ट उपलब्ध है।

ताजपुर समुद्री बंदरगाह विकसित करेगा अडाणी समूह

कोलकाता, 20 सितम्बर (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में ताजपुर समुद्री बंदरगाह अब अडाणी समूह विकसित करेगा। बंगाल सरकार ने ताजपुर में नया समुद्री बंदरगाह विकसित करने के लिए अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन को आशय पत्र जारी करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। बताया जा रहा है कि इससे 25,000 करोड़ रुपये के निवेश के रास्ता साफ हो गया है। कैबिनेट की बैठक में सोमवार को इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इससे एक लाख से अधिक रोजगार के सृजित होने का अनुमान लगाया जा रहा है।

शहरी विकास मंत्री फिरहाद हकीम ने बैठक के बाद कहा, पश्चिम बंगाल मैरीटाइम बोर्ड परियोजना के लिए सबसे बड़े बोलीदाता रहे अडाणी समूह को आशय पत्र जारी करेगा। परियोजना से प्रत्यक्ष रूप से 25,000 लोगों के लिये रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

उन्होंने कहा, बंदरगाह के विकास में 15,000 करोड़ रुपये का निवेश होगा। इसके अलावा बंदरगाह संबंधित बुनियादी ढांचे के विकास तथा सरकार का निवेश 10,000 करोड़ रुपये होगा। कुल मिलाकर इसमें 25,000 करोड़ रुपये निवेश किए जाएंगे।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया को राहत, आरबीआई ने पीसीए की निगरानी सूची से हटाया

नई दिल्ली, 20 सितम्बर (एजेंसी)। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया को आरबीआई से बड़ी राहत मिली है। दरअसल आरबीआई ने उसे त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई (पीसीए) की निगरानी सूची से हटा दिया है। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया अब ये बंदिशें हटने के बाद बिना किसी प्रतिबंध के ऋण बांट सकेगा।

आरबीआई की ओर से मंगलवार को एक बयान जारी किया गया है। जिसमें कहा गया है कि सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के प्रदर्शन की समीक्षा की गई जिसके बाद उसे पीसीए के फ्रेमवर्क से बाहर करने का फैसला लिया गया है। बयान में कहा गया है कि निगरानी बोर्ड ने बैंक के प्रदर्शन की समीक्षा में पाया कि मार्च 2022 में समाप्त वित्त वर्ष में उसने पीसीए के मानकों का उल्लंघन नहीं किया।

कर्ज देने वाले ऐप को कंट्रोल करने की मंशा नहीं, आरबीआई गवर्नर का अलर्ट

नई दिल्ली, 20 सितम्बर (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कुकुरमुत्ते की तरह बढ़ रहे कर्ज देने वाले ऐप और उनके द्वारा हाई इंटरेस्ट वसूलने को लेकर आगाह किया है। हालांकि, उन्होंने यह कहा कि केंद्रीय बैंक की इन इकाइयों को दंडित करने या इस क्षेत्र में हो रहे इनोवेशन को दबाने की रुचि नहीं है, लेकिन इनमें नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित होना चाहिए।

शक्तिकांत दास ने कहा कि केंद्रीय बैंक का परिचालकों को दंडित करने या इस क्षेत्र में हो रहे इनोवेशन को दबाने को लेकर रुचि नहीं है लेकिन नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित होना चाहिए।

केंद्रीय बैंक के गवर्नर का यह बयान हाल की घटनाओं को देखते हुए महत्वपूर्ण है। ऐसे कुछ मामले सामने आए हैं, जिसमें इन ऐप के माध्यम से कर्ज लेने वाले कुछ लोग आत्महत्या करने के लिये मजबूर हो गये। पिछले सप्ताह झारखंड में एक युवा गर्भवती महिला को महिंद्रा फाइनेंस के रिकवरी एजेंट ने ट्रैक्टर से कुचल कर हत्या कर दी थी। ट्रैक्टर उसके पिता ने कर्ज पर लिया था और किस्त समय पर नहीं चुकाने को लेकर एजेंट उसे लेने आए थे।

इस तरह की घटनाओं को देखते हुए केंद्रीय बैंक ने नियमों में कई बदलाव किये हैं। इसमें अन्य बातों के अलावा कर्ज देने वाले ऐप को शुरू में ही यह बताना जरूरी है कि उन्होंने किस एनबीएफसी (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी) या बैंक की तरफ से यह कर्ज दिया है।

उन्होंने कहा, रिजर्व बैंक हमेशा डिजिटल तरीके से कर्ज देने का समर्थक रहा है और इसका स्वागत करेगा। अगर आप एक कदम उठाते हैं, हम वास्तव में इसपर चर्चा के लिये दो कदम उठाने को तैयार हैं। लेकिन इस तरह के इनोवेशन को भी जिम्मेदार होना चाहिए, और उपभोक्ता को लाभ पहुंचाने के साथ वित्तीय प्रणाली की दक्षता और मजबूती को बढ़ाना चाहिए।

गौतम अडानी ने 13 अरब डॉलर के शेयर गिरवी रखे, कारोबार विस्तार पर है जोर

नई दिल्ली, 20 सितम्बर (एजेन्सी)। देश के सीमेंट कारोबार में दबदबा बढ़ाने के बाद अब गौतम अडानी ने 13 अरब डॉलर कीमत के शेयर गिरवी रख दिए हैं। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक ड्यूश बैंक एजी की हांगकांग शाखा ने बताया है कि सीमेंट कंपनी-एसीसी की 57 फीसदी और अंबुजा सीमेंट की 63 फीसदी हिस्सेदारी को कुछ उधारदाताओं और वित्तीय संस्थानों के पास रखा गया है।

बता दें कि हाल ही में अडानी समूह ने होल्सिम समूह की सीमेंट कंपनियां-एसीसी और अंबुजा सीमेंट के अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी की है। यह अडानी का सबसे बड़ा अधिग्रहण है। यह देश के इंफ्रास्ट्रक्चर सेगमेंट में अबतक का सबसे बड़ा विलय एवं अधिग्रहण सौदा है।

इस सौदे के पूरा होने के बाद अडानी की अंबुजा सीमेंट्स में 63.15 प्रतिशत और एसीसी में 56.69 प्रतिशत हिस्सेदारी (अंबुजा सीमेंट्स के जरिये 50.05 प्रतिशत हिस्सेदारी) हो गई है। इस अधिग्रहण का कुल मूल्य 6.50 अरब डॉलर है। अंबुजा सीमेंट्स और एसीसी की स्थापित क्षमता 6.75 करोड़ टन सालाना है।

शेयर गिरवी रखने की खबर ऐसे समय में आई है जब कुछ रिपोर्ट में अडानी समूह पर भारी-भरकम कर्ज का दावा किया जा रहा है। वहीं, कुछ रिपोर्ट में इसको लेकर चिंताएं भी जाहिर की जा चुकी हैं। दरअसल, अडानी समूह ग्रीन एनर्जी से लेकर मीडिया तक के नए सेक्टर में विस्तार कर रहा है। वहीं, पहले से जिन सेक्टर में है वहां अधिग्रहण पर जोर दिया जा रहा है।

स्पाइसजेट में नया संकट, 80 पायलट जबरन छुट्टी पर भेजे गए, सैलरी पर भी रोक

नई दिल्ली, 20 सितम्बर (एजेंसी)। स्पाइसजेट ने अपने 80 पायलटों को तीन महीने के लिए बिना वेतन अवकाश पर भेज दिया है। गुरुग्राम की विमानन सेवा कंपनी ने मंगलवार को कहा कि यह कदम लागत को सुसंगत करने के अस्थायी उपाय के तहत उठाया है।

स्पाइसजेट ने बयान में कहा, यह उपाय एयरलाइन की किसी कर्मचारी को नौकरी से बाहर नहीं करने की नीति के अनुरूप है। कोविड महामारी के दौरान भी एयरलाइन ने कर्मचारियों को नौकरी से नहीं निकाला था। इस कदम से पायलटों की संख्या को विमानों के बेड़े से सुसंगत किया जा सकेगा।" 'जबरन' बिना वेतन छुट्टी पर भेजे गए पायलट एयरलाइन के बोइंग और बाम्बार्डियर बेड़े के हैं। एक पायलट ने मीडिया से कहा, हमें एयरलाइन के वित्तीय संकट की जानकारी है, लेकिन अचानक लिए गए इस फैसले से हमें झटका लगा है। तीन माह बाद कंपनी की वित्तीय स्थिति क्या होगी इसको लेकर भी अनिश्चितता है। इस बात का कोई आश्वासन नहीं दिया गया है कि छुट्टी पर भेजे गए पायलटों को वापस बुलाया जाएगा।"

स्पाइसजेट के मौजूदा और कुछ पूर्व कर्मचारियों ने बताया कि यह पहली बार है जबकि एयरलाइन ने कोविड-19 महामारी की वजह से पायलटों को जबरन छुट्टी पर भेजा है।

स्पाइसजेट के एक पूर्व कर्मचारी ने बताया कि महामारी की वजह से विदेशी पायलटों को बर्खास्त किया गया था, जबकि 2020 से चालक दल के सदस्यों को एक से अधिक बार बिना वेतन छुट्टी पर भेजा गया है। इसके अलावा कर्मचारियों के वेतन में भी कटौती की गई है। इस बीच, स्पाइसजेट ने बयान में कहा कि उसने 737 मैक्स विमानों को खड़ा किए जाने के बाद 2019 में अपने बेड़े में 30 से अधिक विमान जोड़े हैं।

एयरलाइन ने इस उम्मीद में कि मैक्स विमान जल्द दोबारा परिचालन में आएंगे, पायलटों की नियुक्ति जारी रखी है। लेकिन लंबे समय से मैक्स विमान खड़े हैं इस वजह से अब पायलटों की संख्या ज्यादा हो गई है।

बयान में कहा गया है कि जल्द मैक्स विमान बेड़े में फिर शामिल होंगे। इसके साथ ही पायलटों को दोबारा काम पर बुलाया जाएगा।

टी-20 विश्व कप से पहले आईसीसी ने बदले नियम, अक्टूबर से होंगे लागू

दुबई (एजेंसी)।

अक्टूबर की शुरुआत से ही क्रिकेट के कई नियमों में बदलाव हो जाएगा। इससे खेल के और बेहतर होने की उम्मीद जतायी जा रही है। इससे पहले अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने खेल नियमों में सभी महत्वपूर्ण बदलावों को अपनी मंजूरी दे दी है। नये नियम एक अक्टूबर, 2022 से लागू होंगे। आईसीसी ने मुख्य कार्यकारी समिति (सीईसी) द्वारा सौरव गांगुली के नेतृत्व वाली पुरुष क्रिकेट समिति की सिफारिशों की पुष्टि के बाद इन बदलावों की घोषणा की है। इस बैठक में एमसीसी के साल 2017 के क्रिकेट कानूनों के तीसरे उन्नत संस्करण पर भी बात हुई। इसे महिला क्रिकेट समिति के साथ भी साझा किया गया, जिन्होंने सीईसी को सिफारिशों का समर्थन किया है।

गांगुली ने कहा, 'आईसीसी क्रिकेट समिति की मेरी पहली बैठक की अध्यक्षता करना एक सम्मान की बात है। मैं समिति के सदस्यों के बेहतरीन योगदान से खुश हूं, जिसके परिणामस्वरूप अहम सुझाव दिये गये हैं। मैं सभी सदस्यों को उनके विचारों और सुझावों के लिए आभारी हूं।

1 अक्टूबर, 2022 से लागू होने वाले बदलाव हैं

कैच पर नया बल्लेबाज स्ट्राइक लेगा : कैच आउट होने पर नया बल्लेबाज स्ट्राइक लेगा। वहीं अगर कोई बल्लेबाज कैच आउट हो जाता है, तो उस स्थिति में मैदान पर नया आने वाला बल्लेबाज स्ट्राइक लेगा। भले ही आउट होकर जाने वाले बल्लेबाज और दूसरे छोर पर खड़े साथी बल्लेबाज ने कैच पकड़े जाने के दौरान पिच पर एक-दूसरे को क्रॉस कर लिया हो। क्रीज पर नये बल्लेबाज को लेकर आईसीसी ने कहा, 'जब कोई बल्लेबाज आउट हो जाता है, तो नया बल्लेबाज उसी छोर पर रहेगा जहां आउट होने वाले बल्लेबाज को अगली गेंद पर रहना था।'

लार पर प्रतिबंध: आईसीसी ने कोरोना वायरस महामारी के दौरान गेंद को चमकाने के लिए लार के उपयोग पर अस्थायी रुप से पाबंदी लगा दी थी। वहीं क्रिकेट के नियमों के संरक्षक, मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने मार्च में 2022 अपने नियमों में संशोधन कर के इस पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया था। अब आईसीसी के अनुसार इस प्रतिबंध को अब , स्थायी रुप से लागू कर दिया गया है।

गेंद फेंकने से पहले नॉन-स्ट्राइकर का आगे निकलना: आईसीसी ने गेंदबाजों के छोर पर 'नॉन-स्ट्राइकर' के रन आउट करने को 'अनुचित खेल' के वर्ग से हटाकर 'रन आउट' वर्ग में रख दिया है। खेल के दौरान नॉन-स्ट्राइकर को रन आउट करना पहले गलत माना जाता था और इस तरह की हरकत पर कई बार काफी बहस भी हुई है। ऐसे मामले में अब बल्लेबाज को रन आउट माना जायेगा।

क्षेत्ररक्षण में गलत तरीका अपनाने पर रोक : गेंदबाज के रनअप के दौरान अगर क्षेत्ररक्षण करने वाली टीम कोई गैरजरुरी तरीका अपनाती है तो अंपायर उस गेंद को 'डेड बॉल' गेंद करार देगा और बल्लेबाजी टीम को पांच पेनल्टी रन दिये जायेंगे।

नए बल्लेबाज को दो मिनट में होना होगा तैयार: आईसीसी ने कहा, 'टेस्ट और एकदिवसीय मैचों में अब नये बल्लेबाज का दो मिनट के अंदर स्ट्राइक लेने के लिए तैयार रहना होगा। टी20 में 90 मिनट की मौजूदा समय सीमा पहले की तरह जारी रहेगी।'

एकदिवसीय में भी धीमी ओवर गति पर जुर्माना: एक अन्य बड़े फैसले में आईसीसी ने कहा कि टी20 में ओवर रेट धीमी होने पर 30 गज के घेरे के बाहर एक क्षेत्ररक्षक को कम रखने के जुर्माने को अब एकदिवसीय में भी लागू किया जायेगा। आईसीसी ने कहा, 'ओवर गति के धीमी होने पर मैच के दौरान लगाये गये जुर्माने को अब एकदिवसीय में भी लागू किया जायेगा। इस नियम को हालांकि आईसीसी पुरुष विश्व कप सुपर लीग 2023 के बाद ही लागू किया जायेगा।'

स्ट्राइकर को गेंद खेलने का अधिकार: बल्लेबाज का कुछ हिस्सा पिच के भीतर रहना जरूरी है। अगर वे इससे आगे निकल जाते हैं, तो अंपायर कॉल करेगा और इसे डेड बॉल करार कर दिया जाएगा। कोई भी गेंद जो बल्लेबाज को पिच छोड़ने के लिए मजबूर करेगी, उसे भी 'नो बॉल' करार दिया जाएगा।

हाइब्रिड पिचों का इस्तेमाल: यह भी निर्णय लिया गया कि सभी पुरुषों और महिलाओं के एकदिवसीय और टी20ई मैचों के लिए खेलने की शर्तों में संशोधन किया जाएगा, जिससे दोनों टीमों द्वारा सहमत होने पर हाइब्रिड पिचों का उपयोग किया जा सके।

कारोलिना प्लिस्कोवा ने इसाबेला शिनिकोवा को मात देकर दूसरे दौर में बनाई जगह

इटावा (एजेंसी)।

विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी और यहां सातवीं वरीयता प्राप्त कारोलिना प्लिस्कोवा ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए मंगलवार को सीधे सेटों में जीत दर्ज करके पैन पैसिफिक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश किया।

प्लिस्कोवा ने पहले दौर के मैच में इसाबेला शिनिकोवा को 6-2, 6-1 से हराया। तूफान नानमाडोल के तोक्यो से गुजरने के कारण मैच बंद छत के नीचे खेले गए। इस बीच मैक्सिको की क्वालीफायर फर्नांडा कॉन्ट्रेरास गोमेज ने 2020 की ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन सोफिया केनिन को 7-6 (7), 6-4 से हराकर उलटफेर किया। एक अन्य मैच में चीन की झांग शुआई ने जापान की माई होंटामा को 6-0, 6-3 से पराजित किया।

आईसीसी महिला क्रिकेट टी20 रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंचीं मंधाना

दुबई (एजेंसी)।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की महिला क्रिकेट टी20 रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंची गयी है। यह मंधाना के करियर की अब तक की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। इंग्लैंड के खिलाफ अपने शानदार प्रदर्शन से मंधाना टी20 के अलावा एकदिवसीय में सातवें स्थान पर पहुंच गई है। मंधाना ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20 श्रृंखला में 111 रन बनाए थे। इस प्रदर्शन के आधार पर वह दो पायदान आगे बढ़ने में सफल रही हैं। मंधाना ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय मैच में 91 रन की मैच विजेता पारी खेली थी जिससे उन्हें तीन स्थान का लाभ मिला।

वहीं भारत की ही कप्तान हरमनप्रीत कौर एकदिवसीय मैचों में चार पायदान ऊपर आकर नौवें स्थान पर जबकि ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा एक स्थान के लाभ के साथ ही 32वें स्थान पर पहुंच गई हैं। वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया आठ स्थान ऊपर आकर 37वें स्थान पर पहुंच गई हैं। दीप्ति गेंदबाजों की सूची में भी छह पायदान के लाभ के साथ ही 12वें स्थान पर पहुंच गई हैं। टी20 रैंकिंग में हरमनप्रीत बल्लेबाजों की सूची में एक पायदान ऊपर 14वें जबकि गेंदबाजों में रेणुका सिंह तीन स्थान आगे 10वें और स्पिनर राधा यादव चार स्थान ऊपर आकर 14वें स्थान पर पहुंच गई हैं। वहीं ऑलराउंडर की सूची में स्नेह राणा और पूजा वस्त्राकर संयुक्त रुप से 41वें स्थान पर बनी हुई हैं।

भारत-इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीमों के बीच दूसरा एकदिवसीय आज

कैंटबरी (एजेंसी)।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम इंग्लैंड के खिलाफ बुधवार से होने वाले दूसरे एकदिवसीय मैच में जीत के साथ ही सीरीज भी अपने नाम करने उतरेगी। भारतीय टीम के पास 23 साल बाद पहली सीरीज जीतने का अवसर है। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने शानदार वापसी करके होव में पहले एकदिवसीय में सात विकेट से बड़ी जीत हासिल की थी। भारतीय महिला टीम ने पहले एकदिवसीय में हर क्षेत्र में मेजबान टीम को पीछे छोड़ा। अब भारतीय टीम का लक्ष्य अपनी लय बनाये रखना रहेगा। भारत ने साल 1999 में एकदिवसीय सीरीज में 2-1 से जीत दर्ज की थी।

इस सीरीज तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी की अंतिम सीरीज है। झूलन के नाम पर सबसे ज्यादा विकेट लेने का विश्व रिकॉर्ड है। वह पहले मैच में एक विकेट ही ले पायी थीं। वहीं उप कप्तान स्मृति मंधाना ने 91 रन की शानदार पारी खेली थी और वह इस सिलसिले को बनाये रखना चाहेंगी। विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया और कप्तान हरमनप्रीत ने नाबाद अर्धशतक लगाये थे। भारतीय टीम को सलामी बल्लेबाज शैफाली वर्मा से भी बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी। वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड की टीम इस मैच को जीतकर वापसी करने के इरादे से उतरेगी।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं

भारत: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शैफाली वर्मा, सबिनेनी मेघना, दीप्ति शर्मा, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), पूजा वस्त्राकर, स्नेह राणा, रेणुका ठाकुर, मेघना सिंह, राजेश्वरी गायकवाड़, हरलीन देओल, दयालन हेमलता, सिमरन दिल बहादुर , झूलन गोस्वामी, तानिया भाटिया और जेमिमा रोड्रिग्स.

इंग्लैंड: एमी जोन्स (कप्तान और विकेटकीपर), टैमी ब्यूमोंट, लॉरेन बेल, माइया बाउचियर, एलिस कैप्सी, केट क्रॉस, फ्रेया डेविस, एलिस डेविडसन-रिचर्ड्स, चार्ली डीन, सोफिया डंकले, सोफी एक्लेस्टोन, फ्रेया केम्प, इस्सी वोंग और डैनी वाइट।

सिर में लगी चोट और बहा खून, बजरंग पूनिया ने विश्व चैंपियनशिप में जीता रिकॉर्ड चौथा मेडल

नई दिल्ली। पहलवान बजरंग पूनिया ने रविवार को सर्बिया के बेलग्रेड में आयोजित विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में पुरुषों के 65 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक जीता। यह पदक जीतना पूनिया के लिए आसान नहीं था क्योंकि इस दौरान उनके सिर में चोट लगी हुई थी जो उन्हें प्री-क्वार्टर में लगी थी। इस दौरान मैच को रोकना भी पड़ा था और उन्होंने सिर पर पट्टी बांधकर उक्त मैच को पूरा किया था।

बजरंग ने वाल्देस को 5-4 के करीबी मुकाबले में हराकर मैच को अपने नाम किया और क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। सिर पर लगी चोट के कारण वह क्वार्टर फाइनल में अमरीका के यिआनी दियाकोमिहालिस के खिलाफ 65 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में तकनीकी श्रेष्ठता (10-0) के आधार पर शिकस्त का सामना करना पड़ा। यिआनी के फाइनल में पहुंचने पर बजरंग को पदक जीतने का मौका मिला और रेपचेज में उनका सामना रिवेरा से हुआ। मैच के शुरुआत में पुनिया 0-6 से पीछे थे लेकिन उन्होंने मैच में वापसी की और रिवेरा को मुकाबले में 11-9 से हारकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में पूनिया का यह चौथा पदक है और यह उपलब्धि हासिल करने वाले वह भारत के एकमात्र पहलवान हैं। इससे पहले उन्होंने 2013 में ब्रॉन्ज, 2018 में सिल्वर और 2019 में ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

राष्ट्रमंडल खेलों की असफलता के बाद मनिका बत्रा की निगाहें राष्ट्रीय खेलों में मजबूत वापसी पर

सूरत। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा को सफलता नहीं मिली लेकिन अब यह शीर्ष भारतीय इस महीने विश्व चैम्पियनशिप के लिए रवाना होने से पहले राष्ट्रीय खेलों में मजबूत वापसी के लिये प्रयासरत है। बत्रा 2018 राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के बड़े स्टार में से एक थीं, उन्होंने महिला एकल के अलावा टीम स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने इसी साल एशियाई खेलों में मिश्रित युगल का कांस्य पदक जीता था। लेकिन पिछले महीने बर्मिंघम से वह खाली हाथ लौटी थीं। राष्ट्रीय खेलों के लिये यहां पहुंची बत्रा ने 'वर्चुअल' बातचीत में पत्रकारों से कहा, 'निश्चित रूप से जब मैंने राष्ट्रमंडल खेलों में अपने मैच गंवाये तो मैं दुखी और निराश थी लेकिन मैंने हमेशा खुद से कहा है कि दुनिया यहीं खत्म नहीं होती।' शीर्ष रैंकिंग भारतीय खिलाड़ी ने कहा, '2018 मेरे लिए शानदार वर्ष था। इस बार मैं राष्ट्रमंडल खेलों से पहले अपना सर्वश्रेष्ठ खेली। मैंने विश्व टूर पर काफी अच्छा प्रदर्शन किया और अच्छे खिलाड़ियों को हराया।' लेकिन वह अब अपनी गलतियों को सुधारने पर कड़ी मेहनत कर रही हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे कड़ी मेहनत करना जारी रखना होगा और वापसी करनी होगी। मैंने अपनी काफी गलतियों पर काम किया है और मेरे कोच मेरे 'स्पारिंग' जोड़ीदार रहे हैं। हमें अभी काफी बड़े टूर्नामेंट खेलने हैं और अगले साल एशियाई खेल भी हैं।'

रोड सेफ्टी विश्व सीरीज में सचिन का खूबसूरत शॉट सोशल मीडिया पर छाया

इंदौर (एजेंसी)।

यहां बारिश के कारण इंडिया लीजेंड्स और न्यूजीलैंड लीजेंड्स के बीच खेला गया मुकाबला नहीं हो पाया हालांकि इस दौरान स्टेडियम में उपस्थित सभी लोगों को महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का खूबसूरत शॉट देखने को मिला। इस शॉट का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। कोई इसे 'क्लास' बता रहा है, तो परफेक्शन कह रहा है।

इस वीडियो में सचिन बैकफुट पर जाकर ऑफ साइड में चौका लगाते हुए दिखे। इतना ही नहीं, शॉट की टाइमिंग भी इतनी शानदार रहती है कि विरोधी खिलाड़ी के पास गेंद को पकड़ने का अवसर ही नहीं होता। इस वीडियो को साझा करते हुए एक ट्विटर यूजर ने जमकर प्रशंसा करते हुए क्लास शॉट बताया

इस मैच में न्यूजीलैंड लीजेंड्स ने भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। भारत की ओर से सचिन तेंदुलकर और नमन ओझा ने पारी शुरु की। सचिन ने चौके की सहायता से 19 रन बनाये जबकि सुरेश रैना 1 छक्के की बदौलत 9 रन बनाकर नाबाद रहे। इंडिया लीजेंड्स का एकमात्र विकेट नमन ओझा का गिरा। उन्हें शेन बॉन्ड ने रॉस टेलर के हाथों कैच आउट कराया। ओझा ने आउट होने से पहले 15 गेंदों में 2 चौके और 1 छक्के की मदद से 18 रन बनाये।

देश और विश्व भर में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाने के लिए इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है।

अपनी बल्लेबाजी से प्रशंसकों का फिर मनोरंजन करने की कोशिश करूंगा: सहवाग

जोहांसबर्ग (एजेंसी)।

मुल्तान के सुल्तान नाम से मशहूर भारत के पूर्व विस्फोटक सलामी बल्लेबाज वीरेन्?द्र सहवाग ने कहा है कि 'लीजेंड्स क्रिकेट लीग' के जरिये क्रिकेट के मैदान पर फिर से उतरने की उन्हें खुशी है और वह बल्?लेबाजी के जरिये अपने प्रशंसकों का फिर से मनोरंजन करने की कोशिश करेंगे। लीजेंड्स क्रिकेट लीग में गुजरात जायंट्स टीम की कप्तानी कर रहे सहवाग ने सोमवार को लखनऊ के इकाना स्?टेडियम में मणिपाल टाइगर्स के साथ मुकाबले से पहले यहां प्रेस कांफ्रेंस में कहा एक बार फिर क्रिकेट के मैदान पर उतरने की खुशी है।

कोशिश करूंगा कि प्रशंसकों का अपनी बल्लेबाजी के द्वारा फिर से मनोरंजन करूं। उम्मीद करता हूं कि हमारी टीम अच्छा खेले और ट्राफी जीते। लंबे समय बाद क्रिकेट मैदान पर लौटने के लिये फिटनेस बनाये रखना कितना चुनौतीपूर्ण है। इस सवाल पर सहवाग ने कहा, हम लोग अब वैसे फिट नहीं हैं जैसे पहले भारतीय टीम के लिये खेलते वक्त थे। दिमाग बहुत अच्छी तरह काम कर रहा है मगर शरीर उस तरह काम नहीं करता।

यह उम्र की दिक्कत होती है, लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि दूसरी टीमों में भी इसी उम्र के खिलाड़ी खेल रहे हैं, इसलिये मामला बराबरी का रहता है। टेस्ट क्रिकेट में दो तिहरे शतक लगाने वाले एकमात्र भारतीय बल्लेबाज सहवाग ने कहा, इस उम्र में बल्लेबाजी करने में तो इतनी दिक्कत नहीं है जितनी गेंदबाजों को होती है, इसलिये दो सुपरसब खिलाड़ी खिलाने के नियम का इस्तेमाल करके हम इसे बेहतर ढंग से सम्भाल सकते हैं।

भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच बने रहेंगे स्टिमक !

कोलकाता । इगोर स्टिमक अब भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच बने रहेंगे। इसका कारण है कि अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की तकनीकी समिति ने उनके अनुबंध को अगले साल जुलाई में एएफसी एशियई कप तक बढ़ाने की सिफारिश की है जिसे मंजूरी मिलना तय है। आईएम विजयन की अध्यक्षता में तकनीकी समिति की बैठक में स्टिमक के मार्गदर्शन में भारतीय पुरुष टीम के प्रदर्शन पर खुशी जताते हुए एआईएफएफ कार्यकारी समिति से उन्हें पद पर बनाये रखने की सिफारिश की है। जून में यहां क्वालीफायर में अच्छे प्रदर्शन के साथ राष्ट्रीय टीम को 2023 एशियाई कप फाइनल्स में जगह मिलने के बाद से ही स्टिमक का अनुबंध बढ़ाए जाने की उम्मीद थी। यह स्टिमक का तीसरा अनुबंध विस्तार होगा। उन्हें साल 2021 में सितंबर तक कुछ महीनों का अनुबंध विस्तार दिया गया था। इसके बाद उन्हें एक साल का एक और कार्यकाल विस्तार दिया गया जो इस महीने समाप्त होना था। एएफसी एशियाई कप 2023 का आयोजन 16 जून से 16 जुलाई तक होगा लेकिन आयोजन स्थल पर अभी फैसला नहीं हुआ है क्योंकि मूल मेजबान चीन ने कोरोना संक्रमण के कारण मेजबानी छोड़ दी है। अनुबंध विस्तार के बाद स्टिमक के लिए पहले मुकाबले इस महीने के अंत में वियतनाम में दो अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच होंगे जिसके लिए 24 संभावित खिलाड़ियों का दो दिवसीय शिविर शुरू हो गया है। भारत 24 सितंबर को सिंगापुर और तीन दिन बाद वियतनाम से खेलेगा। दोनों मैच हो ची मिन्ह सिटी में होंगे।

रिकी पोंटिंग ने विराट को लेकर कर दी बड़ी भविष्यवाणी,बोले- 'सचिन के इस महारिकार्ड को पछाड़ देंगे कोहली'

नई दिल्ली। टीम इंडिया ने अगले महीने होने वाले टी-20 विश्व कप से पहले कंगारू टीम के खिलाफ टी-20 सीरीज की चुनौती के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस बीच ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने रन मशीन को लेकर बड़ी भविष्यवाणी कर दी है। दरअसल, विराट कोहली ने एशिया कप में अफगानिस्तान के खिलाफ 71 गेंदों में 122 रनों की पारी खेलकर गेंदबाजों की चिंता फिर से बढ़ा दी है। इस शतक के बाद विराट ने अंतरराष्ट्रीय शतकों के मामले में रिकी पोंटिंग की बराबरी कर ली है। वहीं, अब पोंटिग का मानना है कि वह इंटरनेशनल शतकों की सूची में सचिन के महारिकार्ड तक पहुंच सकते हैं।

यह नहीं कह सकते कि वह नहीं कर पाएंगे: रिकी पोंटिंग

विराट की लय को लेकर पोंटिंग ने कहा, 'मैं विराट को लेकर कभी ये बात नहीं कह सकता कि वह नहीं कर पाएगा, क्योंकि सभी को पता है कि लय में आने के बाद उनके अन्दर रनों की भूख रहती है। मैं विराट कोहली के लिए 'नहीं' कभी नहीं कह सकता।'

आपको बता दें, इंटरनेशनल शतकों के मामले में पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर सबसे आगे हैं। उन्होने 100 शतक लगाकर इतिहास रच दिया था। वहीं, विराट कोहली ने पिछले तीन सालों से शतक नहीं लगाया था लेकिन अब उन्होने छोटे फॉर्मेट में शतक लगाकर उम्मीद जगा दी है, कि वह सचिन के महारिकार्ड तक पहुंचने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की टी-20 सीरीज का आयोजन आज से मोहाली में किया जाएगा। इसके बाद रोहित शर्मा एंड कंपनी साउथ अफ्रीका के खिलाफ मैदान में उतरेगी। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि वीराट इन 6 मैचों में कैसा प्रदर्शन करते हैं।

सहारनपुर में कबड्डी खिलाड़ियों ने शौचालय में रखा खाना खाया, विवाद बढ़ा तो अधिकारी हुआ सस्पेंड

सहारनपुर। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार एक ओर जहां खेलों और खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के कई प्रयास कर रही है लेकिन सरकारी अधिकारी बेपरवाह नजर आ रहे हैं। हम आपको बता दें कि सहारनपुर से जो वीडियो सामने आया है उसने विपक्ष को योगी सरकार पर हमलावर होने का अवसर दे दिया है। दरअसल इस वीडियो में दिख रहा है कि कबड्डी खिलाड़ियों का खाना शौचालय में रखा गया है। वीडियो में दिख रहा है कि शौचालय में खुला रखा गया खाना खाने को खिलाड़ी मजबूर हैं। यह वीडियो सोशल मीडिया पर 'वायरल' हुआ तो राज्य सरकार ने इस पर संज्ञान लेते हुए ढिलाई बरतने के आरोप में जिला खेल अधिकारी को निलंबित कर दिया है। हम आपको बता दें कि सहारनपुर के डॉ. भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में 16 से 19 सितंबर तक लड़कियों की सब-जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसमें राज्य के 16 संभागों की 300 से अधिक लड़कियों ने भाग लिया था। खेल के बाद जब खाने की बारी आई तो यह खाना शौचालय में दिया गया।

मामले ने तूल पकड़ा तो अपर मुख्य सचिव (खेल) नवनीत सहगल का बयान आया कि सहारनपुर के जिला खेल अधिकारी अनिमेष सक्सेना को निलंबित कर दिया गया है। वहीं, सहारनपुर के जिलाधिकारी अखिलेश सिंह ने कहा है कि अपर जिला मजिस्ट्रेट (वित्त और राजस्व) रजनीश कुमार मिश्रा को घटना की जांच करने के लिए कहा गया है और वह तीन दिन में अपनी रिपोर्ट सौंपेंगे। अखिलेश सिंह ने कहा, ''खिलाड़ियों को जो दोपहर का खाना परोसा गया वह अधपका था और खिलाड़ियों को पर्याप्त खाना नहीं मिल पाया। इसके अलावा चावल और पूड़ी को शौचालय में रखा गया था और उससे बदबू आ रही थी।'' उन्होंने कहा, %%यह भी पता चला कि खाना स्विमिंग पूल परिसर में पकाया गया था और 300 से अधिक लोगों के लिए भोजन तैयार करने के लिए केवल दो रसोइये लगे हुए थे।÷ जिलाधिकारी ने बताया कि भोजन तैयार करने के बाद उसे शौचालय में रखा गया था और यहीं से खिलाड़ियों ने खाना लिया। अखिलेश सिंह ने जांच दल को खिलाड़ियों से बात करने, वीडियो क्लिपिंग प्राप्त करने और रिपोर्ट जमा करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा, 'जिला खेल अधिकारी ने इस राज्य स्तरीय टूर्नामेंट के बारे में प्रशासन को कोई जानकारी नहीं दी थी। अगर प्रशासन को आयोजन की सूचना दी जाती तो वह अपने स्तर पर प्रतियोगिता पर विशेष ध्यान देता।'

इस बीच, यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि यह अक्षम सरकार है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खिलाड़ियों को खाना तक नहीं दे पा रही है। वहीं केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा है कि मैंने संबंधित ठेकेदार और अधिकारी पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि उस ठेकेदार को काली सूची में डाला जायेगा।

चुनाव केंद्रित सोच से शहरों का भला नहीं किया जा सकता : पीएम मोदी

गांधीनगर, 20 सितम्बर (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि चुने हुए जनप्रतिनिधियों की सोच सिर्फ चुनाव को ध्यान में रखते हुए सीमित नहीं होनी चाहिए क्योंकि चुनाव केंद्रित सोच से शहरों का भला नहीं किया जा सकता।

प्रधानमंत्री गुजरात के गांधीनगर में आयोजित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के महापौरों के सम्मेलन को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से संबोधित कर रहे थे।

शहरों में इमारतों के गिरने और उनमें आग लगने की घटनाओं को चिंता का विषय करार देते हुए उन्होंने कहा कि यदि नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाए तो ऐसी घटनाओं को रोका जा सकता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सबका साथ-सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास का भाजपा का शासन का मॉडल उसे दूसरों से अलग करता है।

उन्होंने अहमदाबाद नगर निगम में सरदार वल्लभ भाई पटेल द्वारा किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि आज भी राज्य के लोग उनके कार्यों को बहुत सम्मान से याद करते हैं।

उन्होंने कहा, आपको भी अपने शहरों को उस स्तर पर ले जाना है कि आने वाली पीढ़ियां आपको याद करके कहें कि हां, हमारे शहर में भाजपा के एक महापौर आये थे तब यह काम हुआ।

प्रधानमंत्री ने कहा कि चुने हुए जनप्रतिनिधियों की सोच सिर्फ चुनाव को ध्यान में रखते हुए सीमित नहीं होनी चाहिए क्योंकि चुनाव केंद्रित सोच से शहरों का भला नहीं किया जा सकता।

उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपना एक अनुभव साझा करते हुए कहा कि अगर सही काम किया जाए और जनहित में किया जाए तो लोगों का साथ भी मिलता है।

मोदी ने बताया कि वर्ष 2005 में उन्होंने गुजरात में शहरी विकास वर्ष मनाने का फैसला किया था जिसमें अतिक्रमण हटाया जाना भी शामिल था। उन्होंने बताया कि अगले साल चुनाव होने थे और प्रदेश भाजपा के नेताओं ने उन्हें इसका खामियाजा उठाने को लेकर आगाह किया था लेकिन इसके बावजूद उन्होंने अपने फैसले को वापस नहीं लिया।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कदमों से जनता की नाराजगी सामने आती है लेकिन उनकी पहल को जनता का साथ मिला क्योंकि, जनता को जब ईमानदारी दिखती है, भाई-भतीजावाद और बगैर भेद-भाद के काम दिखता है तो वह साथ देती है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में आज शहरों की अवसंरचना पर अभूतपूर्व निवेश हो रहा है। देश में मेट्रो रेल सेवा के विस्तार का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि 2014 तक यह 250 किमी से भी कम था लेकिन आज देश में मेट्रो नेटवर्क 775 किमी से भी ज्यादा का हो चुका है और एक हजार किमी के नए मेट्रो रूट पर काम भी चल रहा है।

उन्होंने कहा कि शहरों में पुरानी इमारतों का गिरना और उनमें आग लगना चिंता का विषय होता है। उन्होंने कहा कि यदि नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाए तो ऐसी घटनाओं को रोका जा सकता है।

उन्होंने कहा, रियल स्टेट सेक्टर को बेहतर और पारदर्शी बनाने का आपका दायित्व ज्यादा है। नियम-कानूनों का पालन सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

प्रधानमंत्री ने महापौरों से अपील की कि वे अपने शहरों को आर्थिक

रूप से समृद्ध बनाएं और प्रयास करें कि वह शहर किसी न किसी चीज के लिए अपनी प्रसिद्धि स्थापित करे। उन्होंने कहा, मेरा शहर पर्यटन के लिए आकर्षण का केंद्र बने... मेरे शहर की अपनी एक पहचान बने... इस सोच के साथ काम करना चाहिए।

गुजरात में कांग्रेस के बाद अब आप का बड़ा दांव, केजरीवाल ने पुरानी पेंशन बहाली की गारंटी

अहमदाबाद, 20 सितम्बर (एजेन्सी)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को वादा किया कि अगर गुजरात में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो पंजाब की तरह यहां भी सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना लागू की जाएगी। केजरीवाल ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आप शासित राज्य पंजाब में पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) को लागू करने पर विचार करने के लिये एक आदेश जारी किया है।

केजरीवाल ने कहा, 'गुजरात में बड़ी संख्या में सरकारी कर्मचारी सड़कों पर हैं। उनकी मुख्य मांग पुरानी पेंशन योजना को लागू करने की है। मैं उन्हें गारंटी देता हूं कि जब आम आदमी पार्टी सरकार बनाएगी तो हम गुजरात में ओपीएस लागू करेंगे।'

विधानसभा चुनाव से पहले समाज के विभिन्न तबकों से संपर्क करने के अभियान के तहत केजरीवाल एक बैठक को संबोधित करने के लिए वडोदरा में हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा, 'पंजाब की तरह, हम गुजरात में भी ओपीएस लागू करेंगे।'

केजरीवाल ने राज्य सरकार के प्रदर्शनकारी कर्मचारियों से अपना आंदोलन जारी रखने को कहा। उन्होंने कहा कि अगर भारतीय जनता पार्टी सरकार ओपीएस लागू करती है तो ठीक है और अगर नहीं, तो दो महीने बाद उनकी पार्टी इसे लागू करेगी, जब मौजूदा सरकार बदल जाएगी। केजरीवाल ने कहा कि राज्य सरकार के कर्मचारी किसी सरकार को चुनने या हटाने में बड़ी भूमिका निभाते हैं। उन्होंने लोगों से आप को बढ़ावा देने और पिछले 27 वर्षों से गुजरात में सत्तारूढ़ भाजपा सरकार को हटाने के लिए काम करने का आह्वान किया।

भगवंत मान को जहाज से उतारने का मामला, सिंधिया बोले- अनुरोध पर जरूर गौर करूंगा

नई दिल्ली, 20 सितम्बर (एजेन्सी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को विमान से उतारे जाने संबंधी विवाद के बीच नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को कहा कि वह भेजे गए अनुरोध के आधार पर इस मामले को देखेंगे।

मंत्री ने यहां संवाददाताओं से कहा, 'घटना अंतर्राष्ट्रीय धरती पर हुई थी। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम तथ्यों की पुष्टि करें। डेटा मुहैया कराना लुफ्थांसा पर निर्भर है। मुझे भेजे गए अनुरोध पर मैं निश्चित रूप से गौर करूंगा।'

आम आदमी पार्टी (आप) पहले ही विपक्ष के इस आरोप को खारिज कर चुकी है कि मान को नशे की हालत में विमान से उतार दिया गया था और कहा था कि विपक्ष के पास बात करने के लिए कोई मुद्दा नहीं है। पंजाब के मुख्यमंत्री तबीयत खराब महसूस होने पर विमान से उतर गए थे।

इससे पहले 19 सितंबर को अकाली दल के नेता सुखबीर सिंह बादल ने ट्विटर पर पोस्ट किया था, 'मीडिया की खबरों में सहयात्रियों के हवाले से कहा गया है कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को लुफ्थांसा की एक फ्लाइट से उतारा गया था, क्योंकि बहुत नशे में होने के कारण वह चल नहीं पा रहे थे। उनके कारण उड़ान में 4 घंटे की देरी हुई। वह आप के राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने से भी चूक गए। इस खबर ने दुनिया भर में पंजाबियों को शर्मिंदा किया है।'

बादल ने ट्वीट किया था, 'सीएम भगवंत मान से जुड़ी खबरों पर पंजाब सरकार की चुप्पी हैरान करने वाली है। अरविंद केजरीवाल को इस मुद्दे पर सफाई देने की जरूरत है। भारत सरकार को इस पर कदम उठाना चाहिए, क्योंकि यह पंजाबी और राष्ट्रीय गौरव से जुड़ा मुद्दा है। अगर मुख्यमंत्री को विमान से उतारा गया, तो भारत सरकार को यह मुद्दा अपने जर्मन समकक्ष के समक्ष उठाना चाहिए।'

अमित शाह के साथ राजनीति पर नहीं हुई चर्चा : पलानीस्वामी

चेन्नई, 20 सितम्बर (एजेन्सी)। अन्नाद्रमुक से अलग हुए वरिष्ठ नेता ओ पनीरसेल्वम के साथ नेतृत्व को लेकर चल रहे संघर्ष और पार्टी के पूर्व मंत्रियों पर सतर्कता छापों के बीच, पार्टी के अंतरिम महासचिव के पलानीस्वामी ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और कहा कि उन्होंने राजनीति पर चर्चा नहीं की।

उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान शुरू की गई दो प्रमुख परियोजनाओं के लिए केंद्र के दखल की मांग की थी और तमिलनाडु में कथित रूप से बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति पर भी ध्यान देने की मांग की थी, विशेष रूप से ड्रग्स के संदर्भ में जो उनके मुताबिक छात्रों के लिए बिना किसी बाधा के उपलब्ध है।

पलानीस्वामी ने संवाददाताओं को बताया, यह एक शिष्टाचार भेंट थी। मैंने गृह मंत्री से गोदावरी-कावेरी नदी जोड़ने की परियोजना में तेजी लाने तथा तमिलनाडु के वास्ते पानी सुनिश्चित करने के साथ ही गंगा की तर्ज पर नादानथाई वाझी कावेरी के पुनरुद्धार के लिए हस्तक्षेप का अनुरोध किया।

पलानीस्वामी के साथ इस दौरान राज्य के पूर्व मंत्री एस पी वेलुमणि और सी वी षणमुगम भी मौजूद थे।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि नदी जोड़ने की योजना विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के चरण में है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री से इन दोनों योजनाओं का कार्यान्वयन तेज करने का अनुरोध किया गया।

जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने अपनी बैठक के दौरान तमिलनाडु में हाल के राजनीतिक घटनाक्रम पर चर्चा की थी, उन्होंने कहा, नहीं, हमने राजनीति पर चर्चा नहीं की। यह एक शिष्टाचार भेंट थी।

उन्होंने कहा कि उनकी अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने की कोई योजना नहीं है।

उन्होंने नेतृत्व संकट पर टिप्पणी करने से यह कहते हुए इनकार कर दिया कि मामला विचाराधीन है।

जब एक पत्रकार ने पार्टी (अन्नाद्रमुक) को एकजुट करने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री ओ पनीरसेल्वम के राज्य के प्रस्तावित दौरे पर उनकी राय मांगी तो पलानीस्वामी ने पलटवार करते हुए कहा, आपको उनसे पूछना चाहिए।

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कारों पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

अनुगामिनी नि.सं.

नामची, 20 सितम्बर। ग्रामीण विकास विभाग के तहत राज्य ग्रामीण विकास संस्थान के सहयोग से पंचायती राज निदेशालय द्वारा संस्थान के कारफेक्टार स्थित सभागार में आज संशोधित राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कारों पर एक जागरुकता कार्यक्रम सह राज्य स्तरीय राइटशॉप का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रधान आरडीडी सचिव सीएस राव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उनके साथ ही कार्यक्रम में विशेष सचिव सह पंचायत निदेशक बसंत के लामा और नामची डीसी एम भरणी कुमार के अलावा जिलों के एडीसी (विकास) और ग्रामीण विकास, सामाजिक, न्याय व कल्याण, कृषि व बागवानी विभागों के अन्य अधिकारियों ने भी शिरकत की। यहां संशोधित राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कारों पर मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तामंग का एक वीडियो संदेश भी दिखाया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि सीएस राव ने बताया कि पुनर्गठित पंचायत पुरस्कारों के तहत स्थानीयकरण और संबंधित विषयगत क्षेत्रों व ग्रामीण क्षेत्रों में सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु ब्लॉक, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली पंचायतों को सुविधा प्रदान करने और प्रोत्साहित करने के लिए एक बहुस्तरीय प्रतियोगिता स्थापित करने में सहायता मिलेगी। इनके अंतर्गत सिक्किम 69 पुरस्कार श्रेणियों के लिए प्रतिस्पर्धा करेगा। इसके अलावा उन्होंने पंचायती पुरस्कार निगरानी और मूल्यांकन समिति का गठन किये जाने का उल्लेख करते हुए बताया कि इसमें सभी सम्बंधित विभागों से 9 सदस्य शामिल हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि सिक्किम पंचायती राज के तहत सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में शीर्ष राज्यों में से एक है।

इस दौरान पंचायत निदेशक सह राज्य नोडल अधिकारी बसंत लामा ने कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए संशोधित राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कारों के दिशानिर्देशों से भी अवगत कराया।

वहीं कार्यशाला में पंचायती राज संस्थाओं के सतत विकास के 17 लक्ष्यों पर आधारित 9 विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। इनमें गरीबी मुक्त और उन्नत आजीविका वाले गांव, स्वस्थ गांव, बाल-सुलभ गांव, जल पर्याप्त गांव, स्वच्छ और हरित गांव, गांव में आत्मनिर्भर ढांचागत सुविधा, सामाजिक रूप से सुरक्षित गांव, सुशासन वाला गांव और महिला हितैषी गांव शामिल रहे।

च्याखुंग सीनियर सेकेंडरी स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

अनुगामिनी नि.सं.

सोरेंग, 20 सितम्बर। जिले के च्याखुंग सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में आज विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सोरेंग एसडीएम (मुख्यालय) डीआर बिस्ट मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। उनके अलावा प्रदर्शनी में च्याखुंग सरकारी साइंस कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. सुदन प्रधान, संयुक्त शिक्षा निदेशक एसपी शर्मा, चुमबुंग बीडीओ श्रीमती सबीना राई के अलावा च्याखुंग एसएसएस श्रीमती ममता राई एवं अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर श्री बिस्ट ने प्रदर्शनी में शामिल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि आज सीखा गया ज्ञान विद्यार्थियों की भावी जिंदगी में उनका हथियार बनेगा। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने हेतु पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम की पंक्तियों को भी दोहराया। वहीं डॉ. पीसी राई ने विद्यार्थियों को उनके द्वारा

प्रदर्शित सामग्रियों के लिए बधाई देते हुए कहा कि यहां प्रदर्शित सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट से वे प्रभावित हुए हैं।

स्कूल की प्रिंसिपल श्रीमती राई ने कहा कि विद्यार्थियों को विज्ञान विषय पर प्रेरित एवं शिक्षित बनाना ही इस प्रदर्शनी का उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि आयोजन समिति द्वारा हर वर्ष अंतर विद्यालय स्तर पर इस प्रकार की प्रदर्शनी आयोजित किये जाने पर विचार किया जा रहा है।

प्रदर्शनी में च्याखुंग बोटनी साइंस कॉलेज के एसोशिएट प्रोफेसर डॉ. प्रेम चन्द्र राई, रसायन प्रोफेसर डॉ. जिग्मे थुप्देन भूटिया और डॉन बॉस्को स्कूल मालबासे के भौतिकी शिक्षक सुनील सिंचुरी जज के तौर पर उपस्थित रहे।

प्रदर्शनी में कोरोना मरीजों को खाना देने की थीम पर बनाये गये मॉडल के लिए उत्सव छेत्री तथा एड्रोन राई को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। वहीं वर्षा के पानी से बिजली उत्पादन तथा बारिश के पानी के शुद्धिकरण पर बनाये गये मॉडल के लिए सेमोना डाना, सुकृति गुरुंग, आशना विश्वकर्मा एवं प्रनिशा शर्मा को दूसरा पुरस्कार दिया गया। इसी तरह तीसरा पुरस्कार सौरव राई और थुप्देन गुरुंग को स्टूडेंट किट बनाने के लिए दिया गया।

हर दिन 30 से ज्यादा अन्नदाता कर रहे आत्महत्या : सुप्रिया श्रीनेत

नई दिल्ली, 20 सितम्बर (एजेन्सी)। कांग्रेस ने कहा है कि मोदी सरकार की किसान विरोधी नीतियों के कारण किसान परेशान है और जमीनी हालात इतने खराब हो गये हैं कि देश में औसतन हर घंटे में एक किसान आत्महत्या करने को मजबूर हो रहा है। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने मंगलवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में मोदी सरकार को किसान विरोधी बताया और कहा कि 2021 में कृषि क्षेत्र से जुड़े कुल 10 हजार 881 लोगों ने आत्महत्या की है।

इस तरह से पिछले साल हर रोज 30 किसान और हर घंटे में एक किसान आत्महत्या करने को मजबूर हुआ है। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि 2014 से 2021 तक देश में 53 हजार 881 से ज्यादा किसानों ने आत्महत्या की है। इस तरह से 21 किसान रोज हताश और निराश हो कर अपनी जान देने को मजबूर हुए हैं, लेकिन सवाल है कि उन्हें मजबूर किसने किया।

उन्होंने इसे मोदी सरकार की विफलता का नतीजा बताया और कहा कि देश के अन्नदाताओं की इस दयनीय स्थिति के बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तमाशा करने और अपने झूठे महिमा मंडन करने में व्यस्त हैं। उन्होंने कहा कि आत्महत्या करने वाले किसान अपनी मजबूरी के लिए श्री मोदी को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। इस संबंध में उन्होंने महाराष्ट्र के किसान दशरथ लक्ष्मण केदारी का जिक्र किया और कहा कि पुणे के इस किसान ने आत्महत्या की है और अपने आत्महत्या नोट में उसने मोदी की निष्क्रियता को अपनी आत्महत्या की वजह बताया और कहा कि उनके कारण वह जान देने को मजबूर है।

उन्होंने कहा कि किसान की आत्महत्या का यह पहला अंतिम मामला नहीं है मोदी सरकार की विफलता के कारण लगातार इस तरह की घटनाएं हो रही हैं। प्रवक्ता ने कहा कि सबसे बड़ी विडम्बना यह है कि इस साल मोदी किसानों की आय दोगुनी करने वाले थे, लेकिन असलियत यह है कि आज देश के किसान की औसत आय 27 रुपए प्रतिदिन है। उन्होंने कहा कि यह वही प्रधानमंत्री हैं जिनकी जिद्द और अहंकार के चलते किसान आंदोलन के दौरान 700 किसानों की शहादत हुई है। आंदोलनकारी किसान एक साल तक सड़कों पर बैठे रहे।

एनजीसी तिकपुर ने जीती फुटबॉल प्रतियोगिता

सरोज गुरुंग

सोरेंग, 20 सितम्बर। स्थानीय तिकपुर स्कूल के स्थापना के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित जयंती फुटबॉल प्रतियोगिता के आज खेले गये फाइनल मैच में ट्राइब्रेकर से हुए फैसले में एनजीसी तिकपुर ने सोरेंग यूनिटी ब्वॉयज को 4-3 गोल से पराजित कर खिताब पर कब्जा कर लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित शिक्षा मंत्री कुंगा नीमा लेप्चा ने प्रतियोगिता की विजेता और उपविजेता टीमों को क्रमशः डेढ़ लाख रुपए और एक लाख रुपए की नकद राशि और ट्रॉफियों से सम्मानित किया।

इससे पहले नौ दिवसीय स्वर्ण जयंती फुटबॉल प्रतियोगिता के समापन समारोह में मुख्य अतिथि

मंत्री कुंगा नीमा लेप्चा के अलावा क्षेत्रीय विधायक एवं मंत्री एमएन शेरपा, स्टेट बैंक ऑफ सिक्किम के अध्यक्ष डीबी गुरुंग, सिक्किम राज्य व्यापार निगम के सलाहकार एनटी भूटिया, जिला पंचायत अध्यक्ष देविका सुब्बा, राज्य अनुसूचित जनजाति कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रेम कुमार सुब्बा, पूर्व विधायक डीएन शेरपा, जिला कलेक्टर भीम ठटाल, प्रताप इंटरनेशनल स्कूल के निदेशक एसएम सुब्बा, सीएलसी अध्यक्ष टीका हांग सुब्बा सहित पार्टी के अधिकारी, स्वर्ण जयंती समारोह समिति अध्यक्ष एवं तिकपुर स्कूल की प्रधानाचार्य मैरीगोल्ड लक्सम, आयोजन समिति प्रभारी मंजीत लेख्चा के अलावा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मंत्री लेप्चा ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा अंतर विद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को पुरस्कृत किया।

डियर साप्ताहिक लॉटरी

कोलकाता निवासी ने

₹1 करोड़ जीते

रिन्टू नंदी ने 18.08.2022 को सम्पन्न हुए डियर साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर रु. 1 करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नम्बर 98C 24144 है। ''डियर लॉटरी का नाम मेरे तथा मेरे परिजनों के दिल के काफी करीब है। कोई भी लॉटरी टिकट में पुरस्कार जीतने के सिवा अन्य किसी दूसरे स्रोत से एक करोड़पति बनने के बारे में सोच नहीं सकता है। किसी भी उम्र का, कोई भी बेहद मामूली रकम खर्च कर एक करोड़पति बन सकता है। मैं इस बड़ी पुरस्कार राशि जीतने के बाद बेहद खुशी महसूस कर रहा हूं और इस अवसर के लिए नागालैंड स्टेट लॉटरीज को धन्यवाद देना चाहता हूं।'' विजेता ने कहा।

कोलकाता, पश्चिम बंगाल के श्री

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रक: नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com